दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 240
मुरादाबाद
(Monday)
22 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

किसानों को लाइनों में खड़ा कर दिया, अब हम हालात सुधार रहे';पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

अरावली बचेगी तो ही दिल्ली-NCR बचेगा, अखिलेश यादव ने लंबी पोस्ट में बताया ये क्यों है जरूरी

पीएम मोदी ने असम आंदोलन के शहीदों को दी श्रद्धांजलि; ब्रह्मपुत्र नदी पर क्रूज में छात्रों से किया संवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर क्रूज शिप से छात्रों से संवाद किया। 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत पढ़ाई, परीक्षा तनाव और मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा हुई। इसके बाद शहीद स्मारक क्षेत्र पहुंचकर असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे के दूसरे दिन रविवार सुबह ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज शिप पर सवार होकर छात्रों से संवाद किया। यह खास संवाद 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया, जिसमें असम के विभिन्न जिलों से चुने गए 25 छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री करीब 45 मिनट तक तीन मंजिला क्रूज शिप 'एम वी चराइदेव-2' पर छात्रों से बातचीत करते नजर आए। यह कार्यक्रम हाल ही में उद्घाटित गुवाहाटी गेटवे टर्मिनल (इनलैंड वॉटर ट्रांसपोर्ट) से शुरू हुआ, जहां से पीएम फ्लोटिंग ब्रिज के जरिए क्रूज तक पहुंचे।कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र कामरूप मेट्रोपॉलिटन, मोरीगांव, डिब्रूगढ़, कछार, श्रीभूमि, बक्सा, दीमा हसाओ, कोकराझार, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग और नलबाड़ी जिलों से चुने गए हैं। इनमें जवाहर नवोदय विद्यालय, पीएम श्री स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, डॉन बॉस्को संस्थान और निजी स्कूलों के छात्र शामिल हैं। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम 2018 से हर साल आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य छात्रों को परीक्षा के तनाव से निपटने में मदद करना और पढ़ाई के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान पीएम मोदी छात्रों को बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं को शांत मन से देने, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर मार्गदर्शन देते हैं।ब्रह्मपुत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम- प्रधानमंत्री की यात्रा को देखते हुए ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। नदी पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें सुबह से ही गश्त पर रहीं। एहतियातन शनिवार से दो दिनों के लिए फेरी सेवाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पहले कहा था कि पिछले साल काजीरंगा दौरे के बाद पर्यटन में बढ़ोतरी देखी गई थी और इस बार ब्रह्मपुत्र पर पीएम के क्रूज से नदी पर्यटन को भी नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

पीएम मोदी ने गुवाहाटी में असम आंदोलन के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुवाहाटी में शहीद स्मारक क्षेत्र पहुंचकर असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह आंदोलन बाहरी लोगों के खिलाफ चला था और छह साल तक चला, जिसका समापन 1985 में हुआ। इस स्मारक का उद्घाटन इसी महीने किया गया है। यहां एक अखंड ज्योति जलती रहती है, जो आंदोलन में शहीद हुए 860 लोगों की याद दिलाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ जिले में 10,601 करोड़ रुपये के उर्वरक संयंत्र की आधारशिला रखी। इस दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए किसानों और पूर्वोत्तर के विकास की बात कही।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम दौरे के दौरान राज्य को एक बड़ी विकास परियोजना की सौगात दी। पीएम मोदी ने डिब्रूगढ़ जिले में 10,601 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए उर्वरक संयंत्र की आधारशिला रखी। यह संयंत्र सालाना करीब 12 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उत्पादन की क्षमता वाला होगा।

इस मौके पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असम और पूरे पूर्वोत्तर के लिए ऐतिहासिक दिन है। नामरूप और डिब्रूगढ़ लंबे समय से जिस परियोजना का इंतजार कर रहे थे, वह सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। इससे पहले गुवाहाटी में एयरपोर्ट के एक नए टर्मिनल का उद्घाटन भी किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असम विकास की नई रफ्तार पकड़ चुका है और यह सिर्फ शुरुआत है।

असम विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने इस आधुनिक उर्वरक संयंत्र के लिए देशभर के किसानों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में उद्योग और कनेक्टिविटी साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं, जिससे असम के सपनों को पंख मिल रहे हैं और युवाओं में नए अवसरों की उम्मीद जगी है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में किसानों की भूमिका सबसे अहम है। इसी सोच के साथ सरकार किसानों के हितों को प्राथमिकता देकर लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि करीब 11 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह संयंत्र हर साल 12 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का उत्पादन करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस फैक्ट्री के शुरू होने से उर्वरकों की आपूर्ति और आसान होगी और लॉजिस्टिक लागत भी काफी कम होगी, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला-प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों ने दशकों तक किसानों की स्थिति को बदतर बनाया, जबकि उनकी सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। पीएम ने कहा कि खाद कारखाने जैसे प्रोजेक्ट न केवल किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराएंगे, बल्कि क्षेत्र में रोजगार और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देंगे। कांग्रेस शासन के दौरान असम ही नहीं, बल्कि देशभर में कई यूरिया फैक्ट्रियां बंद कर दी गई थीं। इसके चलते किसानों को खाद के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था और हालात संभालने के लिए कई बार पुलिस तक तैनात करनी पड़ती थी। पीएम मोदी ने कहा कि उस समय किसानों को इतनी परेशानी झेलनी पड़ी कि कहीं-कहीं लाठीचार्ज तक की नौबत आ जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने किसानों की जरूरतों को नजरअंदाज किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी डबल इंजन सरकार कांग्रेस के समय पैदा हुई इन समस्याओं को पूरी ईमानदारी से ठीक करने में जुटी है। बीते 11 वर्षों में काफी काम हुआ है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जहां कांग्रेस के दौर में खाद कारखाने बंद हुए, वहीं उनकी सरकार ने देश के अलग-अलग हिस्सों में नए उर्वरक संयंत्र लगाए हैं, ताकि किसानों को समय पर खाद मिल सके और उन्हें दोबारा ऐसी परेशानियों का सामना न करना पड़े।

%भाजपा सरकार किसानों के साथ खड़ी%- पीएम मोदी ने कहा आज बीज से बाजार तक भाजपा सरकार किसानों के साथ खड़ी है। खेत के काम के लिए सीधे खाते में पैसे पहुंचाए जा रहे हैं। ताकि किसान को उधार के लिए भटकना न पड़े। अब तक पीएम किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 4 लाख करोड़ रुपए किसानों के खाते में भेजे गए हैं। इसी साल किसानों की मदद के लिए 35 हजार करोड़ रुपए की दो नई योजनाएं शुरू की गई हैं। पीएम धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन इससे खेती को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा %सबका साथ, सबका विकास... हमारा ये विजन, देश के गरीब वर्ग के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव लेकर आया है। पिछले 11 वर्षों में हमारे प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। देश में एक नया मध्यम वर्ग तैयार हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कांग्रेस अभी भी देश विरोधी सोच को आगे बढ़ा रही है। ये लोग असम के जंगल, जमीन पर बांग्लादेशी घुसपैठिओं को बसाना चाहते हैं। उनको सिर्फ अपनी वोटबैंक मजबूत करनी है, आपकी कोई परवाह नहीं है। कांग्रेस को आपलोगों की पहचान से कोई लेना-देना नहीं है।

अवैध घुसपैठियों को कांग्रेस ने बसाया- पीएम -पीएम मोदी ने कहा अवैध घुसपैठियों को कांग्रेस ने ही बसाया और कांग्रेस ही उन्हें बचा रही है। इसलिए कांग्रेस पार्टी वोटर लिस्ट के शुद्धिकरण का विरोध कर रही है। मैं आपको गारंटी देता हूं कि असम की पहचान और असम की सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा फौलाद बनकर पके साथ खड़ी है। तुष्टिकरण और वोटबैंक की इस कांग्रेसी जहर से हमें असम को बचाकर रखना है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अरावली पहाड़ियों को बचाने के लिए दिल्लीवासियों को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इसे बचाना विकल्प नहीं संकल्प होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने एक्स पर एक लंबा संदेश दिया।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्लीवासियों को अरावली पहाड़ियों को बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं बल्कि संकल्प होना चाहिए।एक्स पर लिखे गए एक लंबे संदेश में उन्होंने कहा कि बची रहे जो 'अरावली' तो दिल्ली रहे हरीभरी!

उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं है बल्कि ये तो संकल्प होना चाहिए। मत भूलिए कि अरावली बचेगी तो ही एनसीआर बचेगा। अरावली को बचाना अपरिहार्य है क्योंकि यह दिल्ली और एनसीआर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है या कहें कुदरती ढाल है। अरावली ही दिल्ली के ओझल हो चुके तारों को फिर से दिखा सकती है, पर्यावरण को बचा सकती है।अरावली पर्वतमाला ही दिल्ली के वायु प्रदूषण को कम करती है और बारिश-पानी में अहम भूमिका निभाती है।

अरावली से ही एनसीआर की जैव विविधता बची हुई है। जो वेटलैंड गायब होते चले जा रहे हैं, उन्हें यही बचा सकती है। गुम हो रहे परिंदों को वापस बुला सकती है।

अरावली से ही एनसीआर का तापमान नियंत्रित होता है।

इसके अलावा अरावली से एक भावात्मक लगाव भी है जो दिल्ली की सांस्कृतिक-ऐतिहासिक धरोहर का हिस्सा है।

अरावली को बचाना, दिल्ली के भविष्य को बचाना है, नहीं तो एक-एक साँस लेने के लिए संघर्ष कर रहे दिल्लीवासी स्मॉग जैसे जानलेवा हालात से कभी बाहर नहीं आ पाएंगे। आज एनसीआर के बुजुर्ग, बीमार और बच्चों पर प्रदूषण का सबसे ख़राब और ख़तरनाक असर पड़ रहा है। यहाँ के विश्व प्रसिद्ध हॉस्पिटल और मेडिकल सर्विस सेक्टर तक बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जो लोग बीमारी ठीक करने दिल्ली आते थे, वो अब और बीमार होने नहीं आ रहे हैं। - यही हाल हा तो उत्तर भारत के सबसे बड़े बाज़ार और आर्थिक केंद्र के रूप में भी दिल्ली अपनी अहमियत खो देगी।

- विदेशी तो छोड़िए, देश के पर्यटक भी यहाँ नहीं आएंगे।

- न ही दिल्ली में कोई बड़ा इवेंट आयोजित होगा।

- न ही कोई राजनीतिक, शैक्षिक, अकादमिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक सम्मेलन आयोजित होगा।

- ?न ही ओलंपिक, कॉमनवेल्थ या एशियाड जैसी कोई बड़ी खेल प्रतियोगिता आयोजित होगी।

- ?यहाँ का होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी-कैब, गाइड, हैंडीक्राफ़्ट बिज़नेस, हर काम-कारोबार व अन्य सभी आर्थिक-सामाजिक गतिविधियाँ ठप्प हो जाने के कगार पर पहुँच जाएंगी।

- ?जब प्रदूषण की वजह से हवाई जहाज़ नहीं चलेंगे, ट्रेनें घंटों लेट होंगी, सड़क परिवहन असुरक्षित हो जाएगा, तो दिल्ली कौन आएगा।

- ?यहाँ तक कि इसका असर ये भी पड़ेगा कि लोग अपने बेटी-बेटे की शादी तय करने से पहले दिल्ली के हवा-पानी के बारे में सोचने लगेंगे।

- ?इसीलिए हर नागरिक के साथ हर स्कूल-कोचिंग, हर व्यापारी, हर कारोबारी, हर दुकानदार, हर रेहड़ी-पटरीवाले, हर घर-परिवार तक को 'अरावली बचाओ' अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। - ?हर चैनल, हर अख़बार को ये अभियान चलाना चाहिए। अरावली को बचाना मतलब ख़ुद को बचाना है। अगर अरावली का विनाश नहीं रोका गया तो भाजपा की अवैध खनन को वैध बनाने की साज़िश और ज़मीन की बेइंतहा भूख देश की राजधानी को दुनिया की 'प्रदूषण राजधानी' बना देगी और लोग दिल्ली छोड़ने को बाध्य हो जाएंगे। इसीलिए आइए हम सब मिलकर अरावली बचाएं और भाजपा की गंदी राजनीति को जनता और जनमत की ताक़त से हराएं! उनका ये संदेश सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

चौधरी चरण सिंह से प्रेरणा लेकर श्रमिकों को दिया 125 दिनों का रोजगार, जी राम जी पर बोले शिवराज

जी राम जी योजना को लेकर केंद्र सरकार और कांग्रेस के बीच टकराव तेज हो गया है। सरकार का दावा है कि नई योजना के तहत किसानों और मजदूरों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा और इससे गांवों का विकास होगा। वहीं कांग्रेस ने इसे गरीब विरोधी बताते हुए देशभर में आंदोलन का ऐलान किया है। दोनों पक्ष जनता के बीच अपनी-अपनी बात रखने की तैयारी में हैं।जी राम जी योजना पर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच रार गहराती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस ने इसके विरोध में पूरे देश में आंदोलन और धरना-प्रदर्शन के माध्यम से लोगों के बीच जाने की तैयारी कर ली है। वहीं, केंद्र सरकार भी अपने मंत्रियों और भाजपा संगठन के माध्यम से जनता को इसकी खूबियां बताने की योजना बना रही है। इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जी राम जी योजना के अंतर्गत किसानों-श्रमिकों को सौ से बढ़ाकर 125 दिनों का रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर करने में मदद मिलेगी। एक कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज जो एनडीए सरकार केंद्र में शासन कर रही है, उसके विचारों की नींव चौधरी चरण सिंह ने ही रखी थी। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए ही श्रमिकों की कार्य योजना को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है

महंगा होगा रेल का सफर, 26 दिसंबर से बढ़ेगा किराया:रेलवे ने किया एलान

अगर आप मेल/एक्सप्रेस या एसी ट्रेनों में लंबी दूरी की यात्रा करते हैं तो अब आपको थोड़ा ज्यादा किराया वहन करना पड़ेगा। लेकिन रोजाना लोकल ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कोई बदलाव नहीं होगा। रेल मंत्रालय एसी के साथ-साथ नॉन एसी ट्रेनों के किराए में इजाफा किया है, जो 26 दिसंबर 2025 से लागू हो रहा है। भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों के लिए बड़ा एलान किया है। 26 दिसंबर 2025 से ट्रेनों के किराए में संशोधन लागू होने जा रहा है। इस फैसले का असर देशभर के करोड़ों यात्रियों पर पड़ेगा, हालांकि रेलवे ने छोटी दूरी की यात्रा करने वालों को राहत देते हुए 215 किलोमीटर तक के सफर पर किराया न बढ़ाने का फैसला किया है। दैनिक यात्रियों के हित में उपनगरीय ट्रेनों और मासिक सीजन टिकटों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 215 किलोमीटर तक यात्रा पर कोई बढ़ोतरी नहीं- रेलवे के अनुसार, साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर तक की यात्रा पर कोई अतिरिक्त किराया नहीं लिया जाएगा। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि 215 किलोमीटर से अधिक दूरी की यात्रा पर साधारण श्रेणी में 1 पैसा प्रति किलोमीटर, जबकि मेल/एक्सप्रेस और एसी श्रेणियों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। उदाहरण के तौर पर करीब 1000 किलोमीटर की दूरी में जन साधारण एक्सप्रेस (नॉन-एसी) से यात्रा करने पर करीब 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। जबकि संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, वंदे भारत और राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेनों में सफर करने पर यात्रियों को 20 रुपये अधिक चुकाने होंगे। इन ट्रेनों पर भी लागू होगा किराया-रेल मंत्रालय के मुताबिक, नया किराया संशोधन राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और साधारण गैर-उपनगरीय सेवाओं जैसी प्रीमियर व विशेष ट्रेन सेवाओं पर भी लागू होगा।

संपादकीय Editorial

Una Market on the Yellow Line

The traders of Una are standing on the Yellow Line. Their shared problems have now become rebellious because the administration wants to improve the traffic system and remove encroachments, but this effort has occasionally shut down their businesses. The administration is looking for a place in modern communication where the results of systemic change can be seen in the urban system. We should consider this a bold step by the District Magistrate, otherwise in many other districts the administration has lost its identity. The issue here is also about the interests of trade and business. Cities have grown, markets have come to the streets, buyers and shopkeepers now want to buy and sell goods from vehicles, and this has led to a conflict between showrooms and trade fairs and the old market. The issue is being asked about the TCP Act or urban development plans, where future growth, expectations, and traffic pressure should be channeled. The conflict in Una is actually a result of the Una mentality, and this will arise not only in Una but in every village, town, and city. In Himachal, development means reckless expansion. New buildings, mountain excavations, unrestricted traffic, lack of concern or awareness about traffic, and roadside trade fairs have become commonplace. The issue is the display of vehicles, illegal parking, disregard for traffic rules, and the narrowness of commercial markets. The ineffectiveness of the Village and Town Planning Act, which has been in place for half a century, can be seen in this regard. Punjab established Urban Development Trusts, Haryana established colonies, or some states, anticipating urbanization, have created new cities to provide opportunities for their citizens, investors, and job seekers. Our approach is different. Markets are allowed to develop as soon as roads are built. Therefore, the views of many beautiful valleys are obscured by new construction. This connects the market starting in Parwanoo with Shimla. We can see the tail of Bhuntar's market extending to Manali, and the meeting point of Mandi's market reaches Nerchowk-Sundernagar. The same old city streets sell consumer goods, but now, somewhere, someone is repairing two-wheelers or adding to construction materials by soldering iron. Peeling cement and rebar, gossiping about traffic, the dust from construction silences our environment. So many firecrackers are sold in these same markets that the city's AQI soars to rival Delhi's. The city is notorious for its silence; you thought closed ears wouldn't hear. A city can neither be counted solely on its market, nor can a city thrive without a market. Today's Una is different from its past; the days of the old bus stand are gone. Offices have changed, city fees, and heaps of garbage now stare at the ambulance. What peace and tranquility can it offer? Market discipline must change, and administrative methods must adapt. Simply drawing yellow lines won't change the environment; alternatives must be found to ensure the urban economy continues. The state's business community should be recognized as investors, while on the other hand, they must also contribute to local bodies and traffic management. The role of business organizations and investment opportunities should be integrated into parking infrastructure at each market, so that businesses can enhance customer convenience.

SIR issue resonates at Bengal rally, PM attacks Mamata Banerjee

During his visit to West Bengal, Prime Minister Modi accused the Mamata Banerjee government of protecting infiltrators, especially amid the growing threat from Bangladesh. He cited opposition to the Special Intensive Revision (SIR) of voter lists and stressed the need for a process similar to the NRC. Modi also expressed concern over the delay in border fencing, which is making it difficult to stop infiltration. PM Modi accused the Mamata Banerjee government of protecting infiltrators, demanded increased vigilance along the border to prevent infiltration from Bangladesh, and stressed the need to follow a process similar to the NRC. Among the many issues raised by Prime Minister Modi during his visit to West Bengal was that the Mamata Banerjee government was trying to protect infiltrators. He made this accusation at a time when the situation in Bangladesh is deteriorating and the threat of infiltration from there has increased. Consequently, vigilance has been increased along the Bangladesh border. Although the Prime Minister's accusation against the Bengal government of protecting infiltrators refers to the protests surrounding the Special Intensive Revision of Voter Lists (SIR), it should be understood that the need to properly complete the SIR process is as important as preventing infiltration from Bangladesh. It is true that many Bangladeshis living in Bengal are returning due to the SIR, but it is doubtful that this process will result in the return of all illegal citizens. The reason for this doubt is that the Election Commission cannot verify citizenship through the SIR; it is not its job. In these circumstances, a process similar to the NRC should be followed to identify Bangladeshi infiltrators living in Bengal and the border states of the Northeast. This is the responsibility of the Home Ministry, which should make efforts in this direction. At the same time, it should also strive to stop infiltration from Bangladesh. This is especially so because he alleges that the Bengal government provides Aadhaar cards to infiltrators and helps them hide and protect them. In these circumstances, greater urgency is required to prevent infiltration. It is difficult to say that infiltration from Bangladesh has stopped. One reason for this infiltration is that border fencing has not been completed. Of the 2,216.7 km long border with Bangladesh in Bengal, only 1,647.696 km has been fenced with barbed wire. Fencing and other infrastructure work remains on the remaining 569.004 km. One reason for this pending work is the Bengal government's failure to provide land. Recently, the Calcutta High Court expressed its displeasure over this. It is possible that the High Court's intervention may lead the Bengal government to agree to provide land for fencing, but it should not be overlooked that even after this, there remains approximately 100 km of border with Bangladesh where fencing is not possible. Therefore, there is no other way to prevent infiltration except to maintain extra vigilance. There should be no further delay in giving top priority to the work of identifying infiltrators and preventing infiltration.

Threat to India in Bangladesh Increases, Situation Deteriorates

The situation in Bangladesh is worsening rather than improving. The assassination of radical Islamic leader Sharif Osman Hadi, even after the announcement of elections, has heightened tensions. Protests are underway against India and the Awami League. Hadi's extremist views and accusations against India have exacerbated the situation. There are fears that the February elections may be postponed, emboldening radical forces and increasing the threat to India's eastern border. Tension in Bangladesh due to the assassination of a radical leader, India accused of murder, sparks protests. Election postponement and fears of increased radicalism. The situation in Bangladesh is worsening rather than improving. It was initially believed that the announcement of elections would lead to stability in the country, but within hours of the announcement, Sharif Osman Hadi, a student leader with a radical Islamic ideology, was attacked by unknown gunmen in Dhaka. Hadi died in a Singapore hospital. Since the attack, protests against India and the Awami League have erupted in Bangladesh. Hadi was educated in a madrasa. He was Driven by extremist recently made capture of India's who shot him knew that the attack, and that is The attack on Hadi may preventing elections in have resulted in the government led by perceived US stooge. Khaled Zia is in a Islamic fundamentalist Pakistani intelligence as old and frail. They certain limit against hospitalized. Her son, London, may return to but he wants to contest

the son of a radical cleric. jihadist ideology, he had statements calling for the northeastern states. Those India would be blamed for precisely what happened. have been aimed at February, as they would formation of an interim Mohammad Yunus, a Although the BNP led by position to win the elections, forces, revived by US and agencies, now view Khaleda feel she cannot go beyond a India. She is seriously ill and Tariq Anwar, who lives in Bangladesh to lead the BNP, the elections based on social development initiatives, not on anti-India and extremism. The radical Jamaat-e-Islami and Khaleda Zia's BNP have been in alliance for decades, but that has now broken down. The pro-Pakistan fundamentalists of Jamaat believe they have a chance to gain power. Despite its soft approach to Islamic fundamentalists, the BNP considers the 1971 Liberation War sacred. Jamaat, on the other hand, considers the creation of Bangladesh a betrayal of the Islamic agenda. Its leaders want unification with Pakistan. In 1971, its leaders even fought alongside the Pakistan Army against the Mukti Bahini and the Indian Army. Now, they dream of replacing the BNP with new parties born out of the rebellion against Sheikh Hasina, such as Hadi's Inquilab Manch. Hadi recently threatened the BNP that if it showed even the slightest softness towards India, its government would be overthrown, just as the Awami League's was overthrown. Hadi and Jamaat are also threatening the new pro-American political force, the National Citizens Party (NCP). The NCP includes the same student leaders who launched the movement against Sheikh Hasina's government. It's clear that many forces within Bangladesh had reasons to assassinate Hadi, but the Muhammad Yunus government allowed the propaganda to spread that India had orchestrated Hadi's assassination and that his killers had fled to India. Following this, attacks began on Indian High Commission premises. A mob of extremists burned down the offices of Bangladesh's two largest newspapers, The Daily Star and Prothom Alo, accusing them of being Indian agents. The Bangladesh Army watched on, failing to take action against the extremist mob. The mob even beat a Hindu youth to death and burned his body at a crossroads. Now, if this instability continues, Yunus will have an excuse to postpone the February elections. Even if that doesn't happen, Islamic fundamentalist parties will gain sympathy and their seats will increase, increasing the likelihood of the BNP becoming a second-tier partner in any post-election coalition. India's problem isn't just that the pro-American NCP and the pro-Pakistan Jamaat-e-Taiba (Jamaat-e-Taiba) could potentially lead the future government in Bangladesh. When Sheikh Hasina was overthrown, her relative and Bangladesh Army Chief Waqaruzzaman secured her safe passage. This gave India a sigh of relief, thinking that at least the army was in safe hands, but since then, Bangladesh's military leadership has disappointed. Even after Sheikh Hasina left the country, the army allowed a radical mob to enter the Prime Minister's residence, where they even brandished her underwear in front of cameras. Subsequently, when Yunus banned the celebration of the birth anniversary of Bangladesh's founder, Sheikh Mujibur Rahman, and Jamaat members beat up people visiting his shrine, Waqaruzzaman did nothing. Is a large segment of the Bangladeshi army under the influence of Jamaat, and is Waqaruzzaman helpless in the face of this radical ideology? The question also arises: is Bangladesh being developed into a Syrian-like region bordering India, ravaged by an Islamic civil war, where various Islamic fundamentalist organizations can flourish? In Bangladesh, the Jamaatis and Yunus government's constituents currently dream of a Greater Bangladesh, which would include Myanmar's Rakhine state, Northeast India's Siraj-ud-Daulah's Bengal Sultanate would be established, capturing parts of the state, West Bengal, Odisha, and Bihar. Hadi himself posted to this effect on his Facebook account. This may sound ridiculous, but millions of Bangladeshis believe in this madness, and this situation is enough to turn Bangladesh into a new platform for jihad. This would mean the emergence of a terrorist state, similar to Pakistan, on India's eastern border, making it difficult for the 13 million Hindus living there to save their lives.

यूपी में चार की मौत: बिखरा परिवार... संकट में दो मासूमों का भविष्य, पति-पत्नी और बेटे के शव देख रो पड़ी हर आंख

मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर खजरा खाकम के पास हुए सड़क हादसे में चार लोगों की जान चली गई थी। कमालपुर में एक साथ तीन चिताएं जलीं। इससे पहले पति-पत्नी और बेटे के शव देखते ही हर आंख रो पड़ी।संभल में मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर गांव खाकम के निकट शुक्रवार को करीब रात आठ बजे कैंटर की टक्कर से बाइक सवार गांव कमालपुर निवासी आंगनबाड़ी सहायिका विमलेश समेत पति सुरेश व बेटे प्रतीक की जान चली थी। अगले दिन शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शाम करीब चार बजे जैसे ही आंगनबाड़ी सहायिका समेत पति व बेटे का शव गांव पहुंचा, तो शव वाहन के पीछे-पीछे पूरा गांव चल दिया।

जैसे ही मृतकों के शव शव वाहन से उतारे गए, परिजनों व रिश्तेदारों की चीख-पुकार शुरू हो गई। गांव भर के लोगों की आंखों में आंसू थे। जहां एक ओर परिजन व रिश्तेदार तीनों शवों से लिपट-लिपटकर रो रहे थे।वहीं, कुछ लोग नम आंखों से परिजनों व रिश्तेदारों को ढांढस बंधा रहे थे। इसके बाद शाम को करीब सात बजे तीनों शवों का संस्कार कर दिया गया। मृतक सुरेश के बड़े बेटे शिवम ने तीनों चिताओं को मुखाग्नि दी। इस बीच एहतियात के लिए गांव में पुलिस भी मौजूद रही।संजय के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल- मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर कैंटर की टक्कर से बाइक सवार आंगनबाड़ी सहायिका समेत पति व बेटे समेत बहजोई के काली मंदिर रोड निवासी एक अन्य युवक संजय की भी मौत हुई थी। शनिवार को करीब पौने तीन बजे संजय का शव जब घर पर पहुंचा, तो परिजनों व रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। वहीं, आसपास के लोग भी गमगीन नजर आए। दोपहर बाद करीब पौने चार बजे परिजनों ने मृतक संजय के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक के छोटे भाई अंकित ने चिता को मुखाग्नि दी।बिखरा परिवार, संकट में दो मासूमों का भविष्य- आंगनबाड़ी सहायिका समेत पति व बेटे का शव गांव पहुंचने के बाद मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि मां-बाप की मौत के बाद बेटा शिवम व बेटी दीक्षा के भविष्य पर संकट है।कैंटर चालक पर एफआईआर- सीओ डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मुताबिक मोहल्ला काली मंदिर रोड निवासी मृतक संजय के पिता कुंवरपाल की तहरीर पर कैंटर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।सपा विधायक समेत अन्य पार्टी के नेता भी पहुंचे- गांव कमालपुर में आंगनबाड़ी सहायिका समेत पति व बेटे का शव गांव में पहुंचने पर संवेदना देने आए लोगों का भी तांता रहा। इस बीच सपा विधायक पिंकी यादव समेत सपा नेता प्रमोद यादव पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजीव यादव, गुल्लू यादव व सुनील यादव आदि ने भी गांव पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की।कीचड़ भरे रास्ते से होकर निकलने को मजबूर हुए लोग - जैसे ही गांव कमालपुर में आंगनबाड़ी सहायिका समेत पति व बेटे का शव पहुंचा, तो लोग गांव के रास्ते में हो रही कींचड़ व जल भराव से होकर गुजरने को मजबूर हुए।चार की मौत के बाद 250 वाहनों पर लगाए गए रेडियम टेप

बहजोई थाना क्षेत्र में मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे पर खजरा मोड़ के नजदीक शुक्रवार को रात 8 बजे बाइक को कैंटर के द्वारा टक्कर मारने में चार लोगों की मौत हो गई थी। हादसे की वजह कोहरा होने की बात सामने आई थी। - इस हादसे के बाद शनिवार को जिले में पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर अभियान चलाया। जिसमें करीब 250 वाहनों पर रेडियम टेप लगाकर चालकों को नियमों की जानकारी दी गई। शनिवार को सुबह से ही पुलिस ने अभियान चलाया। थाना पुलिस के साथ ही यातायात पुलिस ने मुख्य चौराहों और अन्य स्थानों पर वाहनों पर रेडियम टेप लगाए। यातायात प्रभारी दुष्यंत कुमार ने बताया कि संभल में चंदौसी चौराहे के अलावा हयातनगर, नखासा, गुन्नौर, रजपुर, बबराला, बनियाठेर, चंदौसी थाना क्षेत्र में बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्राली आदि वाहनों पर रेडियम टेप लगाए गए। कोहरे में वाहन चालकों को दूसरे वाहन दिखते रहेंगे और हादसों की रोकथाम हो सकेगी। वाहन चालकों को नियमों की जानकारी देकर उनका पालन करने के लिए भी जागरूक किया गया।कोहरे के चलते हुआ था हादसा - बहजोई थाना क्षेत्र में मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे पर खजरा मोड़ के नजदीक शुक्रवार रात आठ बजे बाइक को कैंटर ने टक्कर मार दी थी। इसमें गांव कमालपुर निवासी सुरेश (35), उनकी पत्नी विमलेश (32), बेटा प्रतीक (12) और परिचित व्यक्ति संजय (40) की मौत हो गई थी। कैंटर चालक का कहना है कि बाइक अचानक सामने आ गई। कोहरे के चलते दिखी नहीं, इस कारण हादसा हो गया।नोएडा में रहकर नौकरी करने वाले सुरेश शुक्रवार को गांव आए थे। दोपहर को पत्नी व बेटे के साथ बहजोई में रह रहे अपने पिता ओमप्रकाश से मिलने के लिए पहुंचे थे। रात करीब आठ बजे घर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। हादसे के बाद मौके पर डीएम पहुंचे।एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि हादसे के बाद कैंटर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। चालक कैंटर में ही फंस गया। जिसको पुलिस ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

इसके लिए दो जेसीबी और एक हाइड्रा लगाया गया। इसके बाद चालक को बाहर निकाला जा सका। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।किसी ने नहीं लगाया था हेलमेट- कोहरे के मौसम में दृष्यता कम होने के कारण हाईवे पर चलना मुश्किल हो गया है। हादसे का शिकार हुए चार लोग एक ही बाइक पर सवार थे। किसी ने भी हेलमेट नहीं लगाया था। सुरेश, प्रतीक और संजय के सिर में गहरी चोट लगी है। लोगों का कहना है कि यदि हेलमेट होता तो जान बच सकती थी।

संक्षिप्त समाचार

शादीशुदा महिला फर्मकर्मी को लगातार करती थी कॉल, फिर अचानक करने लगी ब्लैकमेल, युवक ने दे दी जान

मझोला थाना क्षेत्र के लाकड़ी फाजलपुर में किराये के कमरे में फर्मकर्मी का शव बरामद हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण जहर का सेवन बताया जा रहा है। आरोप है कि एक शादीशुदा महिला युवक को लंबे समय से परेशान कर रही थी। मझोला थानाक्षेत्र के लाकड़ी फाजलपुर में फर्मकर्मी धर्मेंद्र उर्फ जीतू का शव शनिवार को किराये के कमरे में चारपाई पर पड़ा मिला। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि युवक की जहर खाने से मौत हुई। इस मामले में युवक के भाई ने आरोप लगाया कि फर्मकर्मी को एक शादीशुदा महिला ब्लैक मेल कर रही थी।उसके छोटे भाई की हत्या की गई है। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के महमूदपुर निवासी विजयपाल का एक मकान मझोला थानाक्षेत्र के लाकड़ी फाजलपुर में है। इसी मकान में संभल जिले के चंदौसी निवासी धर्मेंद्र उर्फ जीतू ने लगभग 10 दिन पहले एक कमरा किराये पर लिया था।शुक्रवार को धर्मेंद्र ड्यूटी से रात में वापस आने के बाद कमरे में सोने चला गया था। शनिवार सुबह दस बजे तक धर्मेंद्र कमरे से बाहर नहीं निकला तो मकान मालिक ने उसे आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई उत्तर नहीं मिल सका। मकान मालिक ने कमरे में झांकने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा तो धर्मेंद्र का शव चारपाई पर पड़ा था। पुलिस ने मौके से साक्ष्यों को इकट्ठा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बीच धर्मेंद्र के परिजन भी थाने पर पहुंच गए। धर्मेंद्र के भाई दारा सिंह ने आरोप लगाया कि शहर में रहने वाली एक शादीशुदा महिला पिछले 5-6 माह से उसके भाई के संपर्क में थी। महिला उसके भाई को ब्लैकमेल कर रही थी। परेशान होकर उसके भाई ने मुरादाबाद में ही कमरा ले लिया था। महिला उसको बार-बार फोन करती थी। तंग आकर भाई ने पांच दिन पहले नया सिम खरीदा था, लेकिन महिला ने उसके नए नंबर के बारे में जानकारी हासिल कर ली। भाई का आरोप है कि महिला उसके भाई से पैसे भी ऐंठ रही थी। उसके भाई की हत्या की गई है। वहीं पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहर से मौत की पुष्टि हुई है। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि परिवार की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिना जांच किए जाति प्रमाण पत्र जारी करने पर लेखपाल निलंबित

बिना समुचित जांच के जाति प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए लेखपाल को निलंबित कर दिया है। इस प्रकरण में लेखपाल की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसमें मुख्य आरोपी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है। लेखपाल कुंदन सिंह ने तहरीर में बताया कि 17 मार्च 2022 को सुमित कुमार नामक व्यक्ति ने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से ग्राम सेढू के मझरा का निवासी बताते हुए जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। आवेदन के साथ आधार कार्ड, स्व प्रमाणित घोषणा पत्र एवं ग्राम प्रधान का प्रमाण पत्र संलग्न किया गया था। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर 21 अप्रैल 2022 को जाति प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया। बाद में जब मामले की जांच की गई तो यह स्पष्ट हुआ कि सुमित कुमार नाम का कोई भी व्यक्ति संबंधित गांव का निवासी नहीं है। इसके अलावा आवेदन में संलग्न ग्राम प्रधान का प्रमाण पत्र भी पूरी तरह फर्जी पाया गया। लेखपाल कुंदन सिंह का आरोप है कि सुमित कुमार ने जनसेवा केंद्र प्रभारी फहीम अहमद एवं रिजवान खान के साथ मिलीभगत कर धोखाधड़ी की नियत से आधार कार्ड व ग्राम प्रधान का कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार कराया। इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तथ्यों को छिपाते हुए अवैध रूप से जाति प्रमाण पत्र प्राप्त किया। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने रिजवान खां, फहीम अहमद और सुमित कुमार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी सुमित कुमार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। उपजिलाधिकारी राजकुमार भास्कर ने बताया कि जाति प्रमाण पत्र जारी करने से पूर्व रिपोर्ट लगाने में लापरवाही बरतने के आरोप में लेखपाल कुंदन सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में एंटी करप्शन टीम द्वारा एक महिला लेखपाल को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था, उसे भी निलंबित कर दिया गया है।

गंगा में अवैध बालू खनन पर लगाया 25 लाख से अधिक का जुर्माना

जनपद संभल में अनुज्ञा की आड़ में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के मामले में पूर्व मंत्री अजीत यादव की शिकायत पर जिलाधिकारी के निर्देशन में कराई गई जांच के बाद खनन अधिकारी और एसडीएम की संयुक्त कार्रवाई में अवैध खनन को लेकर 25 लाख 40 हजार 70 रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया है। पूरा मामला गुन्नौर तहसील क्षेत्र के गांव होतमगढ़ी का है जहां अनुज्ञा की आड़ में लंबे समय से अवैध खनन किया जा रहा था। भाजपा नेता व पूर्व मंत्री अजीत यादव ने मामला उठाया तो इसे लेकर कार्रवाई की कवायद शुरु की गई। जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेकर जांच कराई तो फर्जीवाड़ा खुलकर सामने आ गया। इसके बाद ही अब जुर्माना लगाने की कार्रवाई की गई है। खनन अधिकारी शिवम कुमार सिंह ने बताया कि जांच में पाया गया कि अनुज्ञाधारक द्वारा स्वीकृत पट्टा क्षेत्र से बाहर दो पिट्स बनाकर कुल 6513 घन मीटर बालू का अवैध खनन और परिवहन किया गया। यह कृत्य उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली-2021 के नियम 3, 58 व 72 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम-1957 की धारा 4 व 21 का स्पष्ट उल्लंघन है। स्वीकृत क्षेत्र से बाहर 6513 घन मीटर बालू का खनन व परिवहन किए जाने से 25 लाख 40 हजार 70 रुपये के राजस्व की क्षति आंकी गई है। इसी आधार पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया द्वारा अनुज्ञाधारी के विरुद्ध उक्त राशि का अर्थदण्ड अधिरोपित किए जाने का आदेश एवं नोटिस जारी किया है। पूर्व मंत्री की शिकायत से खुला मामला-संभल। 12 दिसंबर को पूर्व मंत्री अजीत कुमार राजू ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर अवैध खनन का मामला उठाया था। उन्होंने बताया कि गांव होतमगढ़ी में रश्मि यादव पत्नी लक्ष्मी नारायण द्वारा गाटा संख्या 342, 343 व 344 में 2.04 हेक्टेयर क्षेत्र से बाढ़ के दौरान आई बालू हटाने के नाम पर अनुमति ली गई थी, लेकिन मानकों से अधिक गहराई तक खुदाई कर 50 हजार घन मीटर से अधिक बालू का खनन कर लिया गया। इसके अलावा गांव की अन्य गाटाओं राजो देवी, अंगूरी देवी, ग्राम समाज तथा गांव ईसमपुर सैलाब में भी अनुमति से कई गुना अधिक ओवरलोड बालू खनन किए जाने की शिकायत की गई थी। बताया गया कि रश्मि यादव के पति सरकारी फार्मासिस्ट हैं।

हवाओं ने बढ़ाई गलन, सर्दी से जनजीवन प्रभावित घने कोहरे के बाद छाए रहे बादल

मुरादाबाद । शनिवार को मौसम का मिजाज और सर्द हो गया। दिन भर सूरज के दर्शन नहीं हुए, जिससे लोग कड़ाके की ठंड में ठिठुर गए। सुबह के समय शहर और आसपास के इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को खासा सतर्क होकर चलना पड़ा। कई स्थानों पर सुबह के समय सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए लोग धीमी गति से वाहन चलाते नजर आए।समय के साथ ठंडी हवा चलने से कोहरा तो धीरे-धीरे छंट गया, लेकिन बादल छाए रहे। बादलों की वजह से धूप नहीं निकली और पूरे दिन सूर्यदेव का दर्शन न होने से सर्द हवाओं ने लोगों को कंपकंपाया। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तापमान में आई गिरावट के चलते ठंड का असर और ज्यादा महसूस किया गया। ठंड बढ़ने से जनजीवन भी प्रभावित नजर आया। महिलाओं का कहना है कि धूप न निकलने से कपड़े नहीं सूख पा रहे। इससे परेशानी और बढ़ गई है।

सुबह के समय रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और प्रमुख चौराहों पर लोग अलाव का सहारा लेते दिखे। बाजारों में भी सर्दी का असर साफ दिखाई दिया। सुबह के समय दुकानों पर ग्राहकों की संख्या कम रही, हालांकि दोपहर बाद हलचल कुछ बढ़ी। लोग गर्म कपड़ों, स्वेटर, जैकेट और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी करते नजर आए। ठंड के कारण खासकर बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल में डॉ. मनोज यादव का कहना है कि इस मौसम में सर्दी, खांसी, बुखार और सांस से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने, गर्म कपड़े पहनने और ठंड से बचाव करने की सलाह दी जा रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में भी ठंड से राहत के आसार कम हैं। सुबह और रात के समय कोहरा बने रहने की संभावना है, जबकि दिन में बादल छाए रह सकते हैं। ठंडी हवा के चलते तापमान में और गिरावट आ सकती है। अपील की गई है कि वे जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें और ठंड से बचाव के सभी उपाय अपनाएं।

नौनिहालों पर सर्दी पड़ रही भारी...ओपीडी में हर दिन आ रहे 180 से ज्यादा बीमार बच्चे

सर्दी का असर अब बच्चों की सेहत पर भारी पड़ने लगा है। जिला अस्पताल की बाल रोग ओपीडी में रोजाना 180 से अधिक बच्चे अपने अभिभावकों के साथ इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें से कई की हालत गंभीर होने पर उन्हें भर्ती करना पड़ रहा है।जिला अस्पताल के बाल रोग विभाग की ओपीडी में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एके सिंह ने बताया कि मौजूदा समय में सर्दी के कारण बच्चों में टाइफाइड, निमोनिया, बुखार, पेट दर्द और सांस के मामले अधिक हैं। ठंडी हवा, कोहरा और दिन-रात के तापमान में बदलाव से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है, जिससे वे जल्दी बीमार पड़ रहे हैं।

कई बच्चों को तेज बुखार, खांसी, जुकाम और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत के साथ लाया जा रहा है। ऐसे मामलों में बच्चों की हालत को देखते हुए उन्हें भर्ती कर इलाज दिया जा रहा है। हालांकि, मरीजों की संख्या अधिक होने के चलते जिन बच्चों की हालत में सुधार हो जाता है, उन्हें आराम मिलने के बाद डिस्चार्ज कर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चा वार्ड में बेड फुल होने की स्थिति बन रही है। डॉ. एके सिंह ने बताया कि इलाज के लिए आने वाले बच्चों को दवा के साथ ही अभिभावकों से अपील की जा रही है कि वे बच्चों को ठंड से बचाने के लिए विशेष ध्यान दें। ठंडी हवा से बचाएं और सुबह-शाम बाहर निकलने से परहेज करें। इसके अलावा बच्चों को पौष्टिक आहार दें और साफ पानी पिलाएं। यदि बच्चे को तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी या लंबे समय तक खांसी-जुकाम की शिकायत हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बेदी इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेल समारोह, शौर्यम और क्रिसमस कार्निवल की धूम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बेदी इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को गत एक सप्ताह से चल रहे एनुअल स्पोर्ट्स शौर्यम का समापन समारोह और क्रिसमस कार्निवाल का भव्य आयोजन किया गया ।इस दोहरे उत्सव पर न केवल खेल भावना को प्रदर्शित किया गया अपितु विभिन्न विषयों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया । एनुअल स्पोर्ट्स मीट के समापन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रेसिडेंट रश्मि पटेल , विद्यालय के चेयरमैन अमनदीप बेदी , डायरेक्टर प्रीतपाल सिंह तथा प्रधानाचार्या जे के साहनी ने मशाल जलाकर और आसमान में गुब्बारे छोड़कर किया । कार्यक्रम का शुभारंभ मार्च पास्ट से हुआ ।

हाईफील्ड ,हिलक्रिस्ट, ओकलैंड और वुडलैंड हाउस के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर मेंडल जीते। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रेनबो ड्रिल और सेंटा वर्ल्ड और बेदी इंटरनेशनल स्कूल का मॉडल रहा ।अभिभावकों के लिए भी फन गेम्स, टेबल फुटबॉल, बैडमिंटन , मेमोरी गेम आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता कर पुरस्कार जीते । हाउस फर्स्ट रनरअप और हाउस सेकंड रनरअप रहा ।कार्निवल में फूड स्टॉल और बच्चों के लिए झूले भी लगाए गए ।

मुख्य अतिथि ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल प्रदान किए और अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं बल्कि खेल और सांस्कृतिक विरासत से भी परिचय करवाती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या जे के साहनी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ इस शानदार दिवस का समापन हुआ। इस अवसर पर डॉक्टर सर्वजीत सिंह बेदी , अल्पना जोशी प्रिंसिपल बीबीएल पब्लिक स्कूल, निर्भय बेनीवाल डायरेक्टर सेक्रेड हार्ट स्कूल भी उपस्थित रहे ।

डीलरशिप के नाम पर फर्जीवाड़ा : झांसा देकर हड़पे 6 लाख रुपए

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।डीलरशिप दिलाने के नाम पर युवक से लाखों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि गाड़ी बेचने के बावजूद पीड़ित को न तो कोई मुनाफा दिया गया और न ही उसकी जमा की गई रकम लौटाई गई। उल्टा जब युवक ने अपने पैसे मांगे तो उसे जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया ।

पीड़ित की शिकायत पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ब्राह्मपुरा निवासी सुनील कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शिव शक्ति स्टेट कॉलोनी निवासी मोहित खंडेलवाल ने खुद को एनईयूओएन मोटर कंपनी से जुड़ा बताते हुए ई-रिक्शा कंपनी की डीलरशिप दिलाने का लालच दिया। आरोपी ने संजय नगर में दुकान और सर्विस सेंटर खुलवाने के साथ-साथ आरटीओ कार्यालय में ट्रेड कोड खुलवाने का भरोसा दिलाया। कई किश्तों में वसूले रुपये- आरोपी ने कहा कि हर ई-रिक्शा की बिक्री पर 20 प्रतिशत मुनाफा मिलेगा। झांसे में आकर सुनील ने एक अक्तूबर को गोपाल ट्रेडर्स के खाते में 50 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए। इसके बाद 17 अक्तूबर को पांच हजार रुपये और लिए गए। इतना ही नहीं, डेढ़ लाख रुपये ट्रेड कोड खुलवाने के नाम पर वसूले गए, जबकि चार लाख रुपये बड़े भाई के खाते से ट्रांसफर कराए गए। इस तरह कुल करीब 6 लाख रुपये हड़प लिए गए।

पीड़ित का आरोप है कि रुपये लेने के बाद आरोपी ने गोपाल ट्रेडर्स के बिल पर तीन ई 9 रिक्शा बिकवाए, लेकिन न तो उसका मुनाफा दिया न ही मूलधन लौटाया गया। जब सुनील ने हिसाब-किताब मांगा तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर उसे वहां से भगा दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रेमनगर थाना पुलिस ने आरोपी मोहित खंडेलवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी से पूछताछ कर ठगी के पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

तेजाब पिलाकर विवाहिता की हत्या, पति समेत आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बरेली में विवाहिता की मौत के बाद उसके पिता ने दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें विवाहिता के पति समेत आठ लोगों का नामजद किया गया है। आरोप लगाया कि इन लोगों ने तेजाब पिलाकर विवाहिता की हत्या की है। बरेली के सुभाषनगर इलाके में तेजाब पिलाकर विवाहिता की मौत के मामले में पति और ससुरालवालों पर गंभीर आरोप लगाए गए। विवाहिता के पिता ने सुभाषनगर थाने में पति समेत आठ लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। नवाबगंज इलाके के परोथी निवासी छेदालाल ने सुभाष नगर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह को बताया कि उन्होंने अपनी बेटी पूजा का विवाह आठ महीने पहले ही सुभाषनगर के शांति विहार निवासी मनोज से किया था। शादी में छह लाख रुपये खर्च किए थे। पूजा ससुराल गई तो पति मनोज, ससुर रामदयाल, सास शांति देवी, जेठ मुनीश कुमार, राकेश कुमार, जेठानी और ननद शिवदेवी दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। एक लाख रुपये और बुलेट बाइक की मांग करने लगे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने सांसद खेल महोत्सव का किया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / मा0 मंत्री जी ने सीनियर बालक वर्ग के विजेताओं एवं खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के विजेता सिमरन सिंह को किया सम्मानित राज्यमंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी भारत सरकार श्री जितिन प्रसाद जी द्वारा सांसद खेल महोत्सव का गांधी स्टेडियम में उद्घाटन किया गया। इस दौरान मा0 मंत्री जी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मा0 मंत्री जी ने सांसद खेल महोत्सव का शुभारम्भ झण्डा फहराकर एवं गुब्बारों को छोड़कर किया। इस अवसर पर जनपद की चारों विधानसभा के स्कूली बच्चों द्वारा मार्चपास्ट किया गया। मा0 मंत्री जी ने 100 मीटर की सीनियर बालक वर्ग की रेस के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र व वस्त्र देकर सम्मानित किया। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के रेस में गोल्ड मेडल जीतने वाले सिमरन सिंह को शील्ड देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, डॉ0 आस्था अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरूभाग सिंह, पूर्व राज्यमंत्री हेमराज वर्मा, जिला क्रीडा अधिकारी, अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण व पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।

10वीं यूपी राज्य पैरा पावरलिफ्टिंग और पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 बरेली में सफलतापूर्वक हुआ संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।उत्तर प्रदेश, बरेली के बीएल एग्रो स्टेडियम में चल रही 10वीं यू.पी. स्टेट पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप और पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 का रविवार को शानदार तरीके से समापन हुआ। इस दौरान खेल में एथलेटिक उत्कृष्टता, मजबूती और इंक्लूजन का जश्न मनाया गया। यू.पी. पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में बरेली पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित और बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज द्वारा समर्थित, दो दिन की राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले पैरा-एथलीट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बरेली, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, आगरा, गोरखपुर, बागपत सहित 40 जिलों के एथलीट्स ने पैरा पावरलिफ्टिंग और पैरा-एथलेटिक्स में कई श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा हुई, जिससे यह चैंपियनशिप राज्य कैलेंडर में सबसे व्यापक पैरा स्पोर्ट्स आयोजनों में से एक बन गई। समापन समारोह में, यू.पी. पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और बीएल एग्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आशीष खंडेलवाल ने कहा, हमारा ध्यान प्रतिस्पर्धा और विकास के लिए लगातार मंच प्रदान करके उत्तर प्रदेश में एक मजबूत पैरा स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने पर है। इन एथलीट्स में अपार क्षमता है। डिस्ट्रिक्ट और स्टेट लेवल पर सही सपोर्ट मिलने पर, उनमें से कई ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। चैंपियनशिप का समापन पदक वितरण समारोह और विजेताओं, कोच और टेक्निकल अधिकारियों के सम्मान के साथ हुआ। वॉलेंटियर्स, रेफरी और स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर की मजबूत भागीदारी ने उत्तर प्रदेश में समावेशी खेल विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में बरेली की उभरती भूमिका को उजागर किया। 10वीं यू.पी. राज्य पैरा पावरलिफ्टिंग और पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 का सफल समापन प्रतियोगिताओं और निरंतर संस्थागत समर्थन के माध्यम से दिव्यांग एथलीट्स को सशक्त बनाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। बीएल एग्रो ग्रुप के बारे में- बीएल एग्रो ग्रुप एक विविध समूह है जो फूड प्रोडक्ट्स, एग्री-टेक, अर्थ साइंसेज और एग्री-जेनेटिक्स इनोवेशन में क्वालिटी और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देता है। बीएल एग्रो ग्रुप में बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज, लीड्स कनेक्ट, लीड्स नेक्सटेक और लीड्स एग्री जेनेटिक्स शामिल हैं। ग्रुप की प्रमुख कंपनी बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शुरुआत में सरसों का कारोबार था। अब, यह एक बड़ी स्वस्थ्त कंपनी है जिसके पास खाद्य तेल और फूड प्रोडक्ट्स के लिए भारत के सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक है। ये अपने ब्रांड नाम बैल कोल्हू और नरिश से जाने जाते हैं।

लीड्स कनेक्ट एक एग्री-टेक्नोलॉजी फर्म है जो डेटा एनालिसिस, रिस्क मैनेजमेंट और एक सस्टेनेबल एग्री-बिजनेस इकोसिस्टम बनाने में माहिर है। लीड्स नेक्सटेक, अर्थटेक एनालिटिक्स में अग्रणी है, जो नेक्स्ट-जेन टेक्नोलॉजी के ज़रिए मानव-केंद्रित, सस्टेनेबल समाधान प्रदान करती है। लीड्स एग्री जेनेटिक्स एडवांस्ड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज़रिए कृषि इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो फसल सुधार और पशु जेनेटिक्स, दोनों में इनोवेशन को बढ़ावा देता है। कुल मिलाकर, बीएल एग्रो ग्रुप एग्री-फूड इकोसिस्टम में क्रांति लाने और पूरे फूड सफर को फायदेमंद बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जॉब आफर के 13 लाभार्थियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र, ड्रोन स्टार्टअप के 03 संस्थाओं को प्रमाणपत्र व शील्ड देकर किया सम्मानित नाइलिट केलेण्डर का किया विमोचन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत केन्द्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केन्द्र प्रयोगशाला का किया उद्घाटन प्रयोगशाला में तैयार किए गये तकनीकी माडल को देखा एवं प्राप्त की जानकारी सम्मेलन में उपस्थित छात्र/छात्राओं व किसानों को दी तकनीक की जानकारी नाइलिट का सहयोग करने वाले प्रधानाचार्यों, सी0सी0सी0 पूर्ण कर चुके छात्र/छात्राओं को किया सम्मानित जॉब आफर के 13 लाभार्थियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र, ड्रोन स्टार्टअप के 03 संस्थाओं को प्रमाणपत्र व शील्ड देकर किया सम्मानित नाइलिट केलेण्डर का किया विमोचन पीलीभीत - भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (Meity) के अंतर्गत कार्यरत अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केंद्र, पीलीभीत द्वारा आज राजकीय ड्रमण्ड इंटर कालेज परिसर में एक दिवसीय प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं के मध्य प्रौद्योगिकी आधारित कौशल विकास, नवाचार तथा उद्यमिता को प्रोत्साहन प्रदान करना रहा।

माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी भारत सरकार श्री जितिन प्रसाद जी द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केन्द्र पीलीभीत इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रयोगशाला में तैयार किए गए तकनीकी मॉडल को देखा एवं उसके बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने क्लास रूम में पहुंचकर सी0सी0सी0 एवं ओ लेवल के छात्र/छात्राओं से बात की तथा उनसे भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा। इस दौरान साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल फॉड की रोकथाम, डेटा सुरक्षा, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग एवं उभरते साइबर खतरों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई।

आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन माननीय राज्यमंत्री, वणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी भारत सरकार श्री जितिन प्रसाद जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर नाइलिट के निदेशक, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, नगर मजिस्टेऊट, अधिशासी अभियन्ता लो0नि0वि0, जिला कृषि अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, पीसीयू के चेयरमैन सुरेश गंगवार, चेयरमैन डॉ0 आस्था अग्रवाल, ब्लाक प्रमुख सभ्यता वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरूभाग सिंह, पूर्व राज्यमंत्री हेमराज वर्मा, पूर्व विद्यायक किशनलाल, राजपूत, अन्य समान्नित जन प्रतिनिधिगण, जिला स्तरीय अधिकारी, शैक्षणिक संस्थानों के प्रधानाचार्य/प्रतिनिधि, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, स्टार्टअप उद्यमी तथा नाइलिट के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, प्रशिक्षुओं एवं स्थानीय युवाओं ने सहभागिता की। यह कार्यशाला छात्रों, शिक्षकों, सरकारी अधिकारियों एवं आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री, वणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी भारत सरकार श्री जितिन प्रसाद जी ने उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ड्रोन प्रौद्योगिकी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एवं साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक तकनीकें शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने, कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने, औद्योगिक दक्षता बढ़ाने तथा युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करने में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास ही भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी नेतृत्व की दिशा में आगे ले जाएगा।

माननीय मंत्री जी ने डिजिटल इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि नाइलिट जैसे संस्थान नीति और क्रियान्वयन के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं तथा उन्नत तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास को देश के दूरदराज एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईओटी प्रयोगशाला पीलीभीत एवं आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को व्यावहारिक एवं उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित की गई है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से छात्रों को स्मार्ट सेंसर, एम्बेडेड सिस्टम, ऑटोमेशन एवं रियल-टाइम आईओटी अनुप्रयोगों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

सम्मेलन के दौरान ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत स्टार्टअप कंपनियों द्वारा प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इन स्टार्टअप्स ने कृषि में फसल निगरानी, कीटनाशक छिड़काव, भूमि सर्वेक्षण, मानचित्रण, आपदा प्रबंधन, निगरानी तथा लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक के विविध उपयोगों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी ने प्रतिभागियों को वास्तविक अनुप्रयोगों की जानकारी प्रदान करते हुए नवाचार एवं स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दिया।

इसके साथ ही मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी भारत सरकार ने नाइलिट को सहयोग करने वाले प्रधानाचार्यो व सी0सी0सी0 पूर्ण कर चुके छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गया। जॉब आफर के 13 लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किये गये। ड्रोन स्टर्टाअप के 03 संस्थाओं को प्रमाणपत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नाइलिट केलेण्डर का विमोचन किया गया।

बहेड़ी में स्मैक तस्करी का आरोपी मेहरूद्दीन गिरफ्तार, लंबे समय से पुलिस कर रही थी तलाश

बरेली के बहेड़ी क्षेत्र में पुलिस ने स्मैक तस्करी के आरोपी मेहरुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसे लंबे समय से तलाश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी से सौ ग्राम स्मैक बरामद हुई है। बरेली से लेकर उत्तराखंड तक स्मैक की तस्करी करने का आरोपी मेहरुद्दीन लंबे समय से पुलिस से आंख मिचौली खेल रहा था। आखिरकार वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।भौना फार्म गांव निवासी मेहरुद्दीन को पुलिस ने गरीबपुर से अखा गांव को जाने वाले रोड पर खड़जे के पास गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 100 ग्राम स्मैक बरामद की गई। इससे पहले इसका एक और भाई भी जेल जा चुका है।पुलिस के मुताबिक लंबे समय से मेहरुद्दीन स्मैक तस्करी के धंधे में लिप्त था। बरेली से लेकर उत्तराखंड तक वह अपना नेटवर्क फैल चुका था। काफी समय से पुलिस उसके पीछे लगी हुई थी लेकिन जब-जब पुलिस ने उसको गिरफ्तार करने के लिए दबिश दी, वह वहां से भाग गया। उत्तराखंड पुलिस भी कर रही थी तलाश - बहेड़ी पुलिस के अलावा उत्तराखंड के पुलभट्टा की पुलिस भी उसकी धरपकड़ के लिए कई बार जाल बिछ चुकी थी लेकिन वह कभी हत्थे नहीं चढ़ा। इंस्पेक्टर पवन कुमार सिंह ने मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने आरोपी को स्मैक के साथ धर दबोचा। इंस्पेक्टर पवन कुमार सिंह ने बताया कि मेहरुद्दीन को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है।

भारत लोक शिक्षा परिषद संभाग ब्रज मंडल अंचल पूरनपुर एकल अभियान पांच दिवसीय समापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत। भारत लोक शिक्षा परिषद के संभाग ब्रजमंडल अंचल पूरनपुर का एकल अभियान का चल रहा पांच दिवसीय आचार्य वार्षिक अभ्यास वर्ग रविवार को समापन हो गया।

वर्ग में दर्जनों आचार्यों ने भाग लिया।एकल अभियान के अंचल प्रशिक्षण प्रमुख महेन्द्र पाल के निर्देशन में भारत लोक शिक्षा परिषद के भाग रुहेलखण्ड संभाग ब्रजमंडल अंचल पूरनपुर का पांच दिवसीय आचार्य वार्षिक अभ्यास वर्ग 17 दिसम्बर से महादिया के जय सतगुरुदेव इंटर कालेज में शुरू हुआ था। इस अभ्यास वर्ग के कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा देने पर विशेष बल दिया गया। अंचल समित्ति के अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह कुशवाहा ने वर्ग के समापन के अवसर पर आचार्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस पांच दिवसीय अभ्यास वर्ग में वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा जो गतिविधियों के माध्यम से सिखाया गया है। हमें इन नई-नई तकनीकों के माध्यम से गांव के अभिभावकों को जागरूक कर नन्हें मुन्ने बच्चों को शिक्षा देनी है। क्योंकि आज के बच्चे कल के भविष्य है और इनके कार्यों की सराहना की। संभाग गतिविधि प्रमुख कुलवीर, अनुज शुक्ला ने एकल अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत कर आगामी योजनाएं आचार्यों को विस्तृत रूप में साझा की। इस वर्ग में दर्जनों आचार्यों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कुलवीर, महेंद्र पाल,दीनदयाल, अनिल कुमार,अनुज शुक्ला,दुर्वेश आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने छल से चुनाव जीतने का काम किया: वीरपाल

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। नगर के एक बैंकट हाल में एसआईआर चर्चा बूथ प्रभारी बीएलओ सम्मेलन आयोजित किया गया सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव वीरपाल सिंह यादव ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का नारा था कि अबकी बार 400 के पार लेकिन पीडीए ने उनके सपनों को साकार नहीं होने दिया भाजपा को जोड़-तोड़ की सरकार बनाने पर मजबूर कर दिया यदि उनके मंसूबे कामयाब हो जाते तो बाबा साहब का बनाया हुआ संविधान खत्म हो जाता। बाबा साहब ने जो छुआछूत खत्म की वही चालू हो जाती। भाजपा बड़ी खतरनाक पार्टी है बिहार के चुनाव के टाइम दिल्ली में बम विस्फोट हो गया चुनाव होने के बाद कोई चर्चा नहीं हो रही है इसलिए बीएलओ बड़ी ईमानदारी से काम करें असली वोट कट न पाए और फर्जी वोट बन न पाए तभी हम कामयाब हो पाएंगे जहां-जहां चुनाव हुआ वहां वहां भाजपा ने छल से चुनाव जीतने का काम किया है कार्यक्रम की आयोजिका महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव एवं विधानसभा 130 की पूर्व प्रत्याशी दिव्या गंगवार ने कहा कि भाजपा ने एसआईआर बिहार से चालू की थी उत्तर प्रदेश में बीएलओ की सतर्कता के चलते भाजपा के हौसले पस्त हो गए हैं क्योंकि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आधा काम कर दिया है जनता बोलने लगी है कि भाजपा को केवल समाजवादी पार्टी ही हरा सकती है। कार्यकर्ता पार्टी की रीड की हड्डी होते हैं बिना कार्यकर्ताओं के कोई भी चुनाव लड़ना संभव नहीं है। जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि भाजपा जात पात में बाट कर चुनाव जीतने का काम करती है भाजपा सरकार में गरीब, पिछड़ों, दलित, अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न हो रहा है किसानो ने छह माह मेहनत कर धान की फसल पैदा की किसानों का धान 1600 मे बिक गया बिचौलियों के धान सेंटरों पर खरीदे जा रहे हैं किसान परेशान है। भाजपा सरकार में किसान व्यापारी सभी का शोषण किया जा रहा है भाजपा सरकार केवल पूंजीपतियों की सरकार है सपा सरकार में ही किसानों का हित है

इसलिए इस बार चूक करने का समय नहीं है बल्कि आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देने का समय है। इस मौके पर चौधरी प्रदीप सिंह पटेल, फैजान खां, रामचंद्र पटवा, सालिकराम गंगवार, रूपलाल महातिया, अभी गंगवार, भूदेव गंगवार, वालीउल्लाह, रुक्मिणी देवी, तोताराम सागर, राम बहादुर, बीडी प्रजापति, डॉ यासीन अंसारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मलखान सिंह, रामपाल पटेल, आनिल गंगवार, डॉ रवि गंगवार, दिलबाग सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बरेली में करंट से हुई थी मां-बेटे की मौत, विद्युत निगम देगा 14.70 लाख रुपये मुआवजा

बरेली में करंट से मां-बेटे की मौत के मामले में स्थायी लोक अदालत ने विद्युत निगम के तर्कों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने निगम को पीड़ित पक्ष के लिए मुआवजा देने का आदेश दिया है। बरेली में घर के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट आकर हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव धमीपुर निवासी मां-बेटे की मौत के मामले में विद्युत निगम को एक माह के अंदर पीड़ित पक्ष को 14.70 लाख रुपये मुआवजे का भुगतान करना होगा। 10 माह पुराने मामले में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष कालीचरन, सदस्य संजीव कुमार गौतम और अनीता यादव की बेंच ने यह आदेश दिया है।धमीपुर गांव निवासी शेर सिंह के घर के पास से 11 केवी की लाइन गुजर रही थी। जर्जर और काफी नीचे लटक रही इस लाइन को ठीक कराने के लिए उन्होंने और गांव के प्रधान ने कई बार शिकायत की, लेकिन अधिकारियों ने नहीं सुना। 13 फरवरी 2024 की शाम 5:30 बजे शेर सिंह लाइन की चपेट में आ गए। उनकी मां रामकुंवर ने बचाने की कोशिश की तो वह भी झुलस गईं। शेर सिंह की मौके पर ही और रामकुंवर की इलाज के दौरान 25 मार्च को मौत हो गई थी। शेर सिंह की पत्नी रूपवती ने स्थायी लोक अदालत में मुआवजे के लिए याचिका दायर की थी। बाद में शेर सिंह के पिता राम भरोसे ने भी अपनी पत्नी रामकुंवर की मौत के बदले मुआवजे की अपील की। दोनों मामलों में कोर्ट ने एक साथ सुनवाई की। विद्युत निगम के अधिकारियों की ओर से पेश किए गए तर्क को खारिज करते हुए अदालत ने रूपवती और रामभरोसे के पक्ष में फैसला सुनाया है। आदेश ने दिया ये आदेश - अदालत ने आदेश दिया कि विद्युत निगम मृतक शेर सिंह की पत्नी रूपवती को मुआवजे के रूप में 12 लाख रुपये, मानसिक-आर्थिक क्षति के लिए 50 हजार रुपये अदा करे। इस धनराशि में से आधी धनराशि 6.25 लाख रुपये रूपवती के नाबालिग पुत्र आर्यन के बालिग होने तक किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में एफडीआर के रूप में जमा की जाए। शेष 6.25 लाख रुपये में से तीन लाख रुपये रूपवती को नकद दिए जाएं, ताकि वह अपने नाबालिग बेटे का पालन-पोषण कर सके। शेष 3.25 लाख रुपये तीन वर्ष की अवधि के लिए राष्ट्रीयकृत बैंक में एफडीआर के रूप में जमा किए जाएं। दूसरे मामले में मृतका रामकुंवर के पति राम भरोसे को दो लाख रुपये मुआवजा, मानसिक व आर्थिक क्षति के लिए 20 हजार रुपये नकद दिए जाएं। समस्त धनराशि विपक्षीगण एक माह के अंदर रूपवती और राम भरोसे को भुगतान करें। ऐसा न करने की दशा में याचिका दाखिल करने की तिथि से पूरी धनराशि पर सात फीसदी ब्याज भी देना होगा। ठंड में शाम को नहाकर गीले कपड़े डालने का दिया था तर्क-पीड़ित पक्ष ने अधीक्षण अभियंता ग्रामीण विद्युत वितरण मंडल, अधिशासी अभियंता ग्रामीण विद्युत मंडल प्रथम, उपखंड अधिकारी नवाबगंज, उप निदेशक विद्युत सुरक्षा को पार्टी बनाया था। विपक्षी की ओर से तर्क दिया गया कि नहाने के बाद गीले कपड़े डालने के दौरान हादसा हुआ। ऐसे में विद्युत निगम जिम्मेदार नहीं है। अदालत ने कहा कि शेर सिंह मजदूरी करता था। ठंड के सीजन में शाम पांच बजे के बाद नहाने की बात तर्कसंगत नहीं है। पीड़ित ने लाइन ठीक कराने के लिए कई बार शिकायत की। अगर उसका घर गलत स्थान पर था तो विद्युत निगम को इसकी शिकायत दर्ज कराकर काम रुकवाना चाहिए था। अदालत ने कहा कि पीड़ित पक्ष मुआवजे का हकदार है।

कड़ाके की सर्दी के बीच धूप ने दी राहत , बरेली में स्कूलों को लेकर नया आदेश जारी, स्कूलों के समय मे बदलाव

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली जिले में कड़ाके की सर्दी और कोहरे को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देशानुसार स्कूलों के समय में बड़ा बदलाव किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा (बीएसए) अधिकारी डॉ. विनीता ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया है। इसके तहत कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूल सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक संचालित होंगे। यह आदेश बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों, सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त स्कूलों और सहायता प्राप्त (एडेड) विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा। इससे पहले ठंड के कारण शनिवार तक अवकाश घोषित था। अब पाठ्यक्रम समय से पूरा करने और आगामी परीक्षाओं के दृष्टिगत स्कूलों को खोलने का निर्णय लिया गया है, लेकिन विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए समय बदल दिया गया है। बीएसए डॉ. विनीता ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और अगले आदेशों तक प्रभावी रहेगा। सभी स्कूलों को निर्देशित किया गया है कि वे समय परिवर्तन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यदि कोई विद्यालय आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। रविवार को दिनभर खिली रही धूप बरेली में दो दिन लगातार कोहरा छाने के बाद रविवार राहतभरा रहा। दिनभर हल्की धूप खिली रही, जिससे लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई। धूप निकलने के कारण बाजारों में चहल-पहल देखने को मिली। हालांकि तापमान में गिरावट होने से गलन बरकरार रही। बता दें कि बीते कई दिनों से जिले में लगातार घना कोहरा बना हुआ था। तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई। बरेली शनिवार को प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग ने सोमवार को कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है।

बिना रिफ्लेक्टर न चलाएं वाहन, ट्रांसपोर्टर्स नियमों का पालन करें

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। घने कोहरे में हादसे रोकने के लिए ट्रांसपोर्टर्स और अधिकारियों की कार्यशाला हुई। इसमें ट्रांसपोर्टर्स को जागरूक किया गया और यातायात नियमों का पालन करने के बारे में बताया गया। बरेली ट्रक ऑनर्स ट्रांसपोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन की चौपुला स्थित व्यापार मंडल कार्यालय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें आरटीओ प्रवर्तन प्रवण झा ने कोहरे में बचाव के उपाय बताए। इसके लिए ही गाड़ी पर रिफ्लेक्टर लगाने को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब ट्रक और ट्रॉली पर लाल कपड़ा व रिफ्लेक्टर लगाना अनिवार्य है। खनन विभाग के अधिकारियों ने आईएसटीपी प्रपत्र के बारे में बताया। सीओ ट्रैफिक अंजनी कुमार पांडेय ने यातायात नियमों की जानकारियां दीं।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय: इंजीनियरिंग, फार्मेसी व डिप्लोमा कोर्स की परीक्षाएं दो जनवरी से, कार्यक्रम जारी

बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग, फार्मेसी, एमएससी (एप्लाइड फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथ) व डिप्लोमा कोर्स के सम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम शनिवार को जारी हुआ। ये परीक्षाएं दो जनवरी से 19 जनवरी के बीच होंगी।रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली की ओर से शनिवार को बीटेक, बीफार्मा एमटेक, एमफार्मा, एमटेक+पीएचडी, एमएससी, एमसीए (एप्लाइड फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथ) व डिप्लोमा कोर्स की परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी गई है। ये परीक्षाएं दो जनवरी से 19 जनवरी तक होंगी। जिसके तहत मुख्य परीक्षा और बैक के दो घंटे की परीक्षा सुबह दस से 12 बजे तक होगी। तीन घंटे की परीक्षा का समय दस बजे से एक बजे तक रखा गया है। दूसरी पाली में होने वाली परीक्षाओं का समय दोपहर दो से चार बजे तक रखा गया है, तीन घंटे का पेपर दो बजे से पांच तक होगा।इंजीनियरिंग कोर्स में केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्निकल (सीएसआईटी) इलेक्ट्रॉनिक एंड इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग की परीक्षाएं 2 जनवरी से होगी। वहीं पीजीडीसीए, बीफार्मा एमफार्मा फार्मास्यूटिक्स, एमफार्मा फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, एमफार्मा फार्माकोलॉजी की परीक्षा भी दो जनवरी से शुरू हो रही है। वहीं एमएससी एप्लाइड फिजिक्स, एप्लाइड केमिस्ट्री, एप्लाइड मैथमेटिक्स, एमसीए की परीक्षा भी दो जनवरी से शुरू हो रही है। वहीं तीन जनवरी से डिप्लोमा इन कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, और एमटेक/एमटेक+पीएचडी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और सीएसआईटी की पहली परीक्षा तीन जनवरी को होगी। इसके अलावा मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रिकल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग के डिग्री के अलावा डिप्लोमा कोर्स की परीक्षाएं भी इस बीच होगी। वहीं इन परीक्षाओं का समापन 19 जनवरी तक होगा। एलएलएम बिजनेस व कॉर्पोरेट लॉ की परीक्षाएं 13 जनवरी से - रुविवि के तहत विधि विभाग में चल रहे एलएलएम बिजनेस प्रोग्राम एंड कॉर्पोरेट लॉ न्यू कोर्स की परीक्षाएं 13 जनवरी से 23 जनवरी तक होंगी। जिसमें विद्यार्थियों को एक-एक दिन का गैप भी मिलेगा। वहीं एलएलएम एक्जेक्यूटिव न्यू कोर्स की परीक्षा भी 13 से 19 जनवरी के बीच आयोजित की जाएगी। नोडल अधिकारी बने प्रो. पीबी सिंह- रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए डीएसडब्ल्यू के डीन प्रो. पीबी सिंह को विश्वविद्यालय की ओर से नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा विवि की अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के लिए एक नई समिति का गठन किया है जिसमें प्रो.यतेंद्र कुमार को अध्यक्ष, संपर्क अधिकारी प्रो. जेएन मौर्या, आचार्य प्रो. तूलिका सक्सेना, सह आचार्य डॉ. राम केवल, प्राचार्य स्नातक व स्नातकोत्तर प्रो. दुष्यंत कुमार, समन्वयक एससी एसटी सेल डॉ. एचके सिंह को बनाया गया है। इस समिति का गठन लंबे समय के बाद हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से की शिकायत।

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर। घर से बाहर शाम आठ बजे कूड़ा डालने गई महिला से योजनाबद्ध तरीके से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई करने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव कटैया निवासी एक युवक ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी शाम आठ बजे घर के बाहर कूड़ा डालने गई थी तभी योजनाबद्ध तरीके से गांव निवासी नीरज कुमार पुत्र प्यारे लाल, राजू पुत्र ढाकन लाल ने चाकू की नोक पर छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म करने का प्रयास किया शोर शराबा सुनकर पीड़ित का भाई दौड़कर आया इसी बीच जगदीश, प्यारे लाल, राजेन्द्र, विनोद कुमार लाठी डंडे भाला कांता लेकर निकल आए और मार-पीट करने लगे शोर शराबा सुनकर रामदास व सनी बचाने के लिए आए उक्त लोगों पर भी हमला कर दिया जिससे सनी पुत्र रामदास, विशु, भूपराम, बाबूराम के गंभीर चोटें आई हैं पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई करने की मांग की है।

ई-रिक्शा कंपनी की डीलरशिप दिलाने के बहाने छह लाख रुपये हड़पे, पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट

बरेली में ई-रिक्शा कंपनी की डीलरशिप दिलाने के नाम पर युवक से धोखाधड़ी की गई। युवक का आरोप है कि आरोपी ने उससे छह लाख रुपये हड़प लिए। रकम वापस मांगी तो जान से मारने की धमकी दी। बरेली में ई-रिक्शा कंपनी की डीलरशिप दिलाने के नाम पर युवक से छह लाख रुपये हड़प लिए गए। गाड़ी बेचने के बाद भी उसे कोई मुनाफा नहीं दिया गया। आरोप है कि रकम वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित की तहरीर पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ब्राह्मपुरा निवासी सुनील कुमार ने बताया कि शिव शक्ति स्टेट कॉलोनी निवासी मोहित खंडेलवाल ने एनईयूओएन मोटर कंपनी में ई-रिक्शा कंपनी का डीलर बनाकर संजय नगर में दुकान और सर्विस सेंटर बनाकर देने का झांसा दिया। इसके अलावा आरटीओ ऑफिस में ट्रेड कोड खुलवाने की बात कही। कई बार में ट्रांसफर कराई रकम - कहा गया कि जो गाड़ी बेचेंगे बिक्री बिल से 20 प्रतिशत का मुनाफा होगा। एक अक्तूबर को गोपाल ट्रेडर्स के खाते में उन्होंने ऑनलाइन 50 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। सुनील ने बताया कि उसके बाद 17 अक्तूबर को पांच हजार रुपये लिए गए। जबकि डेढ़ लाख रुपये आरटीओ कार्यालय में कोड खुलवाने के नाम पर लिए। चार लाख रुपये उसने बड़े भाई के खाते से ट्रांसफर किए। पीड़ित का आरोप है कि रुपये देने के बाद उसने गोपाल ट्रेडर्स के बिल पर तीन ई रिक्शा बेचे। इसका कोई मुनाफा और मूलधन उन्हें नहीं लौटाया गया। उन्होंने हिसाब करने को कहा जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। प्रेमनगर थाना पुलिस ने आरोपी मोहित खंडेलवाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

कन्हैया गुलाटी और उसकी कंपनी के लोगों पर दो और रिपोर्ट, लाखों रुपये की ठगी का आरोप

बरेली में धोखाधड़ी के आरोपी कन्हैया गुलाटी और उसकी कंपनी ने कई लोगों से ठगी है। ठगी के शिकार लोग आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा रहे हैं। दो पीड़ितों ने कन्हैया गुलाटी और उसकी कंपनी के लोगों पर दो और रिपोर्ट दर्ज कराई है। बरेली की गुरुनानक कॉलोनी निवासी ललित मोहन ने इज्जतनगर थाने में कैनविज कंपनी के मालिक कन्हैया गुलाटी समेत अन्य लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप लगाया कि धोखाधड़ी करके उनसे लाखों रुपये हड़प लिए गए। मामले में ललित पहले बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज करा चुके हैं।वहीं गुलाटी की कैनविज ग्रुप ऑफ कंपनीज ने सब्जबाग दिखाकर शाहजहांपुर के युवक से ठगी की। युवक का आरोप है कि कंपनी में निवेश के नाम पर लाखों रुपये ले लिए गए। उसके बाद सात से आठ माह तक रुपये दिए। बाद में बंद कर दिए। इस मामले में बारादरी थाने में कन्हैया गुलाटी समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। निवेश में मोटा मुनाफा होने का दिया जाता था झांसा -शाहजहांपुर के बंडा थाना के गांव भौरखेड़ा निवासी अंकित कुमार ने बताया कि कैनविज ग्रुप के लॉयन ऑफ कैनविज योगेंद्र कुमार गंगवार एवं फाउंडर मेंबर प्रमोद सिंह परिहार एवं जितेंद्र पटेल ने उन्हें अमीर होने का सपना दिखाया। आरोप है कि कंपनी के पदाधिकारी हर कस्बे में मीटिंग कर कहते थे कि एक लाख रुपये कंपनी में लगाने पर कंपनी प्रति माह लाभांश पां प्रतिशत और दो प्रतिशत खाते में 20 माह तक डाला जाएगा। उसके बाद 22 वें माह में कंपनी सभी मूलधन वापस कर देगी। कंपनी ने सात से आठ माह तक लाभांश दिया, उसके बाद रुपये देने बंद कर दिए। पीड़ित की तहरीर पर कैनविज ग्रुप ऑफ कंपनीज के सीएमडी कन्हैया लाल गुलाटी, योगेन्द्र कुमार, प्रमोद सिंह परिहार और जितेंद्र पटेल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सीएम योगी की चेतावनी: आदतन यातायात नियम तोड़ने वालों के जब्त हों लाइसेंस, वाहन सीज करें; इन जिलों पर फोकस

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आने वाले दिनों में वाहन यातायात को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने नियम तोड़ने वालों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेशव्यापी सड़क सुरक्षा माह आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल चालान करना सड़क दुर्घटनाओं को रोकने का स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि जो लोग आदतन यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। ऐसे मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस जब्त करने और वाहन सीज करने की स्पष्ट नियमावली तैयार कर उसका सख्ती से पालन कराया जाए।सीएम ने कहा कि नए वर्ष की शुरुआत औपचारिक आयोजनों से नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर ठोस संकल्प के साथ होनी चाहिए। शासन के वरिष्ठ अधिकारियों, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि सड़क सुरक्षा अभियान औपचारिकता बनकर न रह जाए, बल्कि यह जन आंदोलन बने।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा माह को 4-ई मॉडल के आधार पर संचालित किया जाए। इसमें शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी केयर चारों बिंदुओं पर कार्य किया जाए। शिक्षा के माध्यम से बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों में सही सड़क व्यवहार विकसित किया जाए। प्रवर्तन के तहत नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो। इंजीनियरिंग के माध्यम से सड़कों के ब्लैक स्पॉट और क्रिटिकल पॉइंट सुधारे जाएं। इमरजेंसी केयर के अंतर्गत त्वरित एम्बुलेंस सेवा और बेहतर ट्रॉमा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन चारों स्तंभों पर काम किए बिना सड़क दुर्घटनाओं में कमी संभव नहीं है। बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गया कि 2025 में नवंबर तक प्रदेश में 46223 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें 24776 लोगों की मृत्यु हुई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जनवरी के पहले सप्ताह में प्रत्येक तहसील, ब्लॉक, जिला और सभी प्रमुख मुख्यालयों पर जागरूकता संबंधी प्रचार सामग्री अनिवार्य रूप से लगाई जाए। राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, आपदा मित्र, स्काउट गाइड और सिविल डिफेंस जैसे संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सड़कों का नियमित हो रोड सेफ्टी ऑडिट

मुख्यमंत्री ने उन्होंने कहा कि सड़क इंजीनियरिंग की कमियां, खराब साइनेज, अव्यवस्थित कट, अंधे मोड़ और अनुचित स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं को बढ़ाते हैं। लोक निर्माण विभाग तथा अन्य एजेंसियां समयबद्ध ढंग से सुधार कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर ही बनाए जाएं और सभी सड़कों का नियमित रोड सेफ्टी ऑडिट कराया जाए। मुख्यमंत्री ने एम्बुलेंस सेवाओं और स्कूल वाहनों की फिटनेस की विशेष जांच कराने के निर्देश दिए।

ज्यादा हादसे वाले जिलों में बनेगी विशेष कार्ययोजना- मुख्यमंत्री ने वर्ष में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाओं वाले शीर्ष स्थान वाले जिलों हरदोई, प्रयागराज, आगरा और कानपुर के डीएम से संवाद कर जरूरी निर्देश दिए। इन जिलों में विशेष कार्ययोजना बनाकर सख्ती से पालन पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने हाइवे और एक्सप्रेसवे के किनारे लंबे समय तक खड़े वाहनों, डग्गामार वाहनों और ट्रकों को गंभीर दुर्घटना का कारण बताते हुए इनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

दलित महिला के जमीन पर स्थगन आदेश के बाजूद दबंगों द्वारा किया जा रहा कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती पीड़ित महिला मीना देवी पुत्री राम अचल पत्नी हुसैनी निवासी कोरियन पुरवा दा0 देवरनिया तहसील जमुनहा जनपद श्रावस्ती की मूल निवासिनी है, जो मीना देवी ने प्रार्थना पत्र उपजिलाधिकारी जमुनहा को देकर गाट संख्या 729 रकबा 0.07 हेक्टेयर में प्रार्थनी का हिस्सा है , जिस पर अवैध तरीके से किस्मतुल पत्नी असलम खा व असलम खा पुत्र अहद खा व ताजरुन पत्नी जलील खा निवासी देवरनिया तहसील जमुनहा थाना हरदत्त नगर गीरंट के द्वारा प्रार्थनी के जमीन पर दबंगई के बल पर कब्जा कर रहे है । इस संबंध में किस्मतुल बनाम मीना देवी आदि पर उपरोक्त जमीन के संबंध में याचिका सिबिल जज परवर खंड श्रावस्ती के यहां बिचारा धीन है, और न्यालय द्वारा उपरोक्त जमीन पर स्थगन आदेश जारी है । इसके बाजूद भी न्यालय के आदेश का न मानते हुए । उपरोक्त आराजी पर जबरन कब्जा कर रहे है । इस संबंध में उपजिला अधिकारी जमुनहा को मीना देवी द्वारा प्रार्थना पत्र देकर कब्जा रुकवाए जाने की मांग किया है ।

इस संबंध में उपजिला अधिकारी जमुनहा से जानकारी लेने पर बताया गया कि मौके पर क्षेत्र लेखपाल को निर्देशित किया गया है । कि मौके पर पहुंच कर दोनों पक्ष से उपरोक्त जमीन पर कब्जा न करने हेतु लिखित ले ले कि न्यालय के अग्रिम आदेश तक जमीन पर कब्जा न करे ।

और दोनों पक्ष को उपजिलाधिकारी कार्यालय पर लेकर आए ।

सिविल कोर्ट का बड़ा एक्शन, हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। सिविल कोर्ट का बड़ा एक्शन, पुलिस महकमे में हड़कंप पुलिस की लापरवाही पर न्यायपालिका का करारा तमाचा ढीली विवेचना पर कोर्ट का आग-बबूला रुख बोला कानून को खेल समझ रखा है क्या, कोर्ट ने जिले के सभी थाना प्रभारी को तलब किया। अफसरों में खलबली मच गई है। बिना विधिक अभियोजन के आरोप पत्र कोर्ट भेजे गए कोर्ट ने इसे गंभीर कोताही बताते हुए फटकार लगाई कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश और राज्य सरकार के दिशा-निर्देश को ताक पर रख दिया। कोर्ट का बड़ा खुलासा, विवेचना में भारी खामियां अपराध की जड़ तक जाने की जगह फ़ाइलों में खानापूर्ति कोर्ट का कड़ा सवाल कानून का मज़ाक क्यों बना रखा है तीन दिन के भीतर हर थाना प्रभारी को केस-वाइज़ रिपोर्ट सौंपने का सख्त आदेश चेतावनी साफ अगर लापरवाही जारी रही तो अफसरों पर कानूनी कार्रवाई तय श्रावस्ती पलिस सिस्टम पर कोर्ट की इस बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक से पूरा महकमा सकते अगले 72 घंटे पुलिस के लिए सबसे भारी।

...बहुत बड़ी गलती है, मोहन भागवत ने भाजपा का जिक्र कर कही बड़ी बात; बोले- हम केवल सेवा संगठन नहीं

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि कई लोग संघ को भारतीय जनता पार्टी के नजरिए से समझने की कोशिश करते हैं, जो कि एक बड़ी गलती है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत इन दिनों पश्चिम बंगाल के चार दिवसीय दौरे पर हैं। उत्तर बंगाल से कोलकाता पहुंचे भागवत ने साइंस सिटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अगर आप संघ को समझना चाहते हैं, तो तुलना करने से गलतफहमियां पैदा होंगी। अगर आप संघ को केवल एक अन्य सेवा संगठन मानते हैं, तो आप गलत होंगे।आरसएस प्रमुख ने कहा कि कई लोगों में %संघ% को भाजपा के नजरिए से समझने की प्रवृत्ति होती है, जो एक बहुत बड़ी गलती है। संघ की स्थापना का सार एक ही वाक्य में है %भारत माता की जय%। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि अपनी खास संस्कृति, परंपरा और स्वभाव का नाम है। संघ का लक्ष्य इन मूल्यों को बनाए रखते हुए भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए समाज को तैयार करना है।%संघ को समझाने के लिए इतिहास उदाहरण भागवत ने साफ किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जन्म किसी राजनीतिक मकसद, प्रतिस्पर्धा या विरोध के लिए नहीं हुआ। उनका कहना था कि संघ पूरी तरह हिंदू समाज के संगठन, उन्नति और संरक्षण के लिए समर्पित है। संघ की भूमिका समझाने के लिए भागवत ने इतिहास का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस के निधन के बाद अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष भले ही थम गया, लेकिन राजा राम मोहन राय के समय से शुरू हुई समाज सुधार की प्रक्रिया लगातार चलती रही। उन्होंने इसे समुद्र के बीच एक ऐसे द्वीप की तरह बताया, जो समय के साथ मजबूती से कायम रहा। हमें अपने समाज को मजबूत करना है- आरएसएस प्रमुख अपने संबोधन में आरएसएस प्रमुख ने समाज को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि भारत एक महान विरासत वाला देश है और उसे वैश्विक नेतृत्व के लिए खुद को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि अतीत में हम अंग्रेजों से युद्ध हार गए थे, लेकिन अब वक्त है कि हम अपने समाज को संगठित और सशक्त बनाएं। उनका पूरा भाषण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा, 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' की सोच और एकजुट हिंदू समाज के साथ समृद्ध भारत के लक्ष्य पर केंद्रित रहा।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर भारत ने जताई चिंता; उच्चायोग के सामने प्रदर्शन पर कही बात

भारत में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर कथित प्रदर्शन को लेकर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि 20 दिसंबर को कोई सुरक्षा संकट नहीं हुआ। मंत्रालय के अनुसार, 20-25 युवाओं ने बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हत्या के विरोध में शांतिपूर्ण नारेबाजी की थी, जिसे पुलिस ने तुरंत हटा दिया। भारत में बांग्लादेश उच्चायोग के सामने कथित प्रदर्शन को लेकर विदेश मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट की है। मंत्रालय ने बांग्लादेश के कुछ मीडिया संस्थानों पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 20 दिसंबर को नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर कोई सुरक्षा संकट नहीं पैदा हुआ था।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों के जवाब में बताया कि 20 दिसंबर 2025 को करीब 20-25 युवाओं का एक छोटा समूह बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने एकत्र हुआ था। ये लोग बांग्लादेश के मयमनसिंह में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की नृशंस हत्या के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे और साथ ही बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग उठा रहे थे।रणधीर जायसवाल ने कहा इस दौरान न तो किसी तरह की बैरिकेड तोड़ने की कोशिश हुई और न ही कोई सुरक्षा स्थिति बनी। मौके पर तैनात पुलिस ने कुछ ही मिनटों में समूह को शांतिपूर्वक हटा दिया। इन घटनाओं के दृश्य प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश के कुछ मीडिया में इस घटना को बढ़ा-चढ़ाकर और गलत तरीके से पेश किया गया है।विदेशी मिशनों की सुरक्षा भारत की जिम्मेदारी- विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि भारत अपने क्षेत्र में स्थित सभी विदेशी मिशनों और राजनयिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा वियना कन्वेंशन के तहत सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश की स्थिति पर कड़ी नजर- विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत बांग्लादेश में हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। भारतीय अधिकारी बांग्लादेशी प्रशासन के संपर्क में हैं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर अपनी गहरी चिंता भी जता चुके हैं। एमईए ने यह भी आग्रह किया कि दीपू चंद्र दास की हत्या के दोषियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाए।

डीएम व एसपी ने पुलिस बल के साथ भिनगा बाजार में किया फ्लैगमार्च

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जनपद में शातिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण बनाये रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी नगर पालिका परिषद भिनगा अन्तर्गत भिनगा बाजार में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होने आमजन से संवाद स्थापित करते हुए शांति, भाईचारे एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने, अराजकता उत्पन्न करने अथवा कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा सूचना की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। फ्लैग मार्च के दौरान अतिक्रमण की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया तथा नागरिकों से सार्वजनिक मार्गों पर अवैध अतिक्रमण न करने हेतु अपील की। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर सतीश कुमार शर्मा, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली भिनगा सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

सीएम विवेकाधीन कोष के लिए जनप्रतिनिधिगण माध्यम से करें आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा जरूरतमंद, असहाय एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को आकस्मिक परिस्थितियों में सहायता प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष का संचालन किया जा रहा है। इस कोष के माध्यम से गंभीर बीमारी, दुर्घटना, आपदा अथवा अन्य विशेष परिस्थितियों में पीड़ित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने सामान्य जनमानस को सूचित किया है कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता प्राप्त करने हेत जनप्रतिनिधियों के माध्यम से आवेदन करना प्रभावी प्रक्रिया हैं।

इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति अपने क्षेत्र के माननीय जनप्रतिनिधिगण के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। जनप्रतिनिधिगण द्वारा संस्तत आवेदन जिला प्रशासन के माध्यम से अग्रसारित किए जाते है, जिससे प्रकरण की सत्यता, पात्रता एवं आवश्यक जांच के उपरांत शीघ्र निर्णय संभव हो पाता है। इससे वास्तविक जरूरतमंदों को समय से सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता सामान्यत: निम्नलिखित परिस्थितियों में प्रदान की जाती है, जिसमें गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों के उपचार हेतु, आकस्मिक दुर्घटना या आपदा की स्थिति में, अत्यंत निर्धन एवं असहाय परिवारों की विशेष परिस्थितियों में। आवेदन के साथ रोग/घटना से संबंधित प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, पहचान पत्र एवं जनप्रतिनिधिगण की संस्तुति संलग्न होना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील किया है कि वे बिचौलियों से बचें, स्वयं अथवा अपने जनप्रतिनिधिगण के माध्यम से ही आवेदन प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष का उद्देश्य केवल और केवल जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना है, न कि किसी प्रकार का लाभ अर्जन करना।

Premature graying of hair? Not expensive products, but these daily habits will do wonders.

In today's fast-paced lifestyle, poor eating habits and stress have made premature graying a common problem. However, incorporating a few simple habits into your daily routine can help prevent this problem. These habits can help management are essential for hair. Regular oil products. Nowadays, premature graying of to our lifestyle, eating habits, and stressful incorporating certain habits into your daily some daily habits that can help keep your hair Eat a healthy diet - To prevent hair graying, acid, and antioxidants, such as green Don't forget to oil your hair - Lightly massage twice a week. This improves blood circulation products - Hair dyes, gels, sprays, and other it to gray. Therefore, choose natural options. scarf or hat when going out. Pollution and UV sleep - Lack of sleep increases stress hormones Get 7–8 hours of sleep daily. Manage stress - your daily routine to reduce mental stress and gooseberry) regularly - Amla is rich in vitamin or drink amla powder mixed with water. or washing your hair with hot water weakens week. Avoid pulling gray hair - Repeatedly pulling gray hair damages hair roots and can also cause other hair to turn gray. Apply herbal hair packs - Applying hair packs made from bhringraj, henna, amla, and reetha once a week helps maintain the natural shine and color of your hair. By adopting these habits, you can not only prevent premature graying but also keep your hair dark and healthy for a long time.

I wish I had... Do your friends also ask for help like this? Beware! You could be a victim of dry bagging.

Dry bagging is a form of emotional manipulation, where help is asked for but with a veiled wording. Most people fall prey to this kind of dry bagging, losing precious time, emotions, and sometimes even money. In dry bagging, the words are said in a roundabout way. People are afraid to ask for help directly. Don't be immediately ready to help. Ask questions like, "I have a lot of guests coming to my house. How can I arrange a house party for my friends?" or "It's been a while since I ate this dish. I wish I had more time to make it." This is called dry bagging, a form of asking for help that uses a twisted word. If you're repeatedly falling prey to it, be careful, because you're unwillingly getting caught in a trap from which you can't escape. In this article, we'll learn what dry bagging is and how you can identify and avoid it. Why people dry bag: They fear being rejected. They lack communication skills, which prevents them from expressing themselves directly. They engage in emotional manipulation and try to get their work done by making the other person feel guilty. This could also be a part of their upbringing, where many people don't know or learn to ask for help directly. What to do in such a situation: Don't jump in: Don't jump in immediately when you hear about help. If this is their pattern of asking for help, it needs to be broken. Ask directly: If someone is trying to get their work done by beating around the bush, ask them directly. This will encourage the person dry bagging to avoid this habit. Understand the need: It's not that you can't escape if someone has entangled you in their words under the guise of help. First, understand the situation thoroughly, and only then offer a helping hand. Learn to say no: Be clear about what you can and cannot do for someone. Don't feel guilty about extending a helping hand if it's not possible. It's also important to say no.

Drink a glass of carrot-ginger juice on an empty stomach in the morning, and these 7 major changes will occur in your body.

Carrot and ginger juice is a healthy combination that strengthens the body from within and makes it glow from outside. This juice boosts immunity, improves digestion, improves eyesight, aids weight loss, and gives the skin a natural glow. It also relieves inflammation and joint pain and is effective in maintaining a healthy heart. Carrot-ginger juice strengthens the immune system and helps improve eyesight. Carrot-ginger juice improves digestion. Starting the day with natural ingredients keeps the body energetic and active throughout the day. Both carrots and ginger are foods rich in medicinal properties. While carrots are rich in vitamin A, beta-carotene, fiber, and antioxidants, ginger has anti-inflammatory, antibacterial, and digestive properties. When these two are combined to create a healthy juice, it detoxifies the body from within, strengthens the immune system, and helps to address many health problems. Carrot and ginger juice has a slightly tangy and sweet taste and serves as a power-packed drink for health. So let's learn about its benefits: Strengthens the immune system The vitamin C, beta-carotene, and antioxidants in this juice protect the body from infections and strengthen immunity. Improves eyesight - Carrots are rich in beta-carotene, which converts to vitamin A in the body, improving eye health. It also protects against cataracts and night blindness. Improves digestion - Ginger has a warming effect, which provides relief from abdominal bloating, gas, and indigestion. The fiber in carrots also supports digestion. Aids in Weight Loss - This juice boosts metabolism and keeps you full for longer due to its high fiber content. Being low in calories, it's beneficial to include in your diet. Maintains Healthy and Glowing Skin - The antioxidants in this juice flush out toxins from the body, leaving skin clear, glowing, and youthful. Relief from Inflammation and Joint Pain - Ginger's gingerol content helps reduce inflammation, making it especially beneficial for arthritis and muscle pain. Maintains Heart Health - This juice regulates blood pressure, lowers cholesterol, and reduces the risk of heart disease. Carrot-Ginger Juice Ingredients: 3-4 carrots (peeled and chopped), 1-inch piece of ginger (peeled), 1/2 lemon juice (optional), 1/2 cup water Method: Place the carrots and ginger in a blender or juicer, add a little water, and blend thoroughly. Strain the mixture through a sieve and pour it into a glass. Add lemon juice to enhance the taste, if desired. Drinking this juice in the morning on an empty stomach is most beneficial.

Ranveer Singh dethrones Shah Rukh Khan, Dhurandhar shatters this blockbuster's record, creating history

Ranveer Singh's Dhurandhar has been ruling the box office ever since its release. Within two weeks, the film has created history with its earnings. It has even surpassed Shah Rukh Khan's all-time blockbuster. Dhurandhar Shah Rukh Khan's record in 16 days. December 5th, is currently creating a and-a-half-hour film's popularity in Furthermore, the film has wreaked Rukh Khan's blockbuster record. December 5th, is currently a global in some countries, but its earnings continues to set collection records day blockbuster released two years ago. disaster for Shah Rukh Khan's film. This Directed by Atlee, the film earned such became the first Bollywood film to enter also honored with a National Award for it now belongs to "Dhurandhar." achievement: Yes, Jawan is no longer the film, to enter the fastest 500 crore club. taken over this title, breaking Jawan's Dhurandhar has grossed ?516 crore at Dhurandhar is the first Bollywood film break this film's record. The film that fastest was Jawaan, which grossed

creates box office history. Ranveer breaks Dhurandhar, which released in theaters on sensation in terms of earnings. The three- theaters has made the makers rich. havoc at the box office, shattering Shah Dhurandhar, which hit theaters on phenomenon. The film was even banned weren't significantly affected. The film after day. It even broke the record of a "Dhurandhar" (The film) has become a film is Shah Rukh Khan's "Jawan." impressive box office collections that it the fastest 500 crore club. Shah Rukh was this film. Well, speaking of Jawan's record, Dhurandhar's impressive box office second Indian film, and the first Bollywood Ranveer Singh's "Dhurandhar" has now record. According to SacNilk, the Indian box office in just 16 days. to achieve this feat. Dhurandhar failed to previously crossed the ?500 crore club the ?505.95 crore in 18 days. Dhurandhar also broke the record held by Stree 2, which earned ?503.25 crore in 22 days. However, Dhurandhar, which broke Jawaan's record, has yet to surpass the Telugu film Pushpa 2. The Allu Arjun-starrer earned ?552 crore at the domestic box office in just 11 days.

Salman Khan has changed his appearance before his 60th birthday, surprising people with his new look, saying, "Truly the most..."

Bollywood actor Salman Khan will soon turn 60, but he still looks young. His latest look has left people stunned. The actor was spotted during the shooting of "Battle of Galwan," leaving people stunned. Salman Khan's 60th birthday in "Battle of Galwan" - Salman has several Salman Khan is one of the most handsome captivate everyone with his charming and before that, his look has made fans say, currently trending on social media for his and are showering him with praise. Salman Khan's younger brother, Sohail Khan, 20th. How could Bhaijaan miss his younger busy schedule, the actor returned to Mumbai the airport. Salman Khan's dashing look at airport with swag and heavy security. As soon everyone's attention was drawn to the actor's navy blue T-shirt, and brown-shaded glasses, change his look for Kick 2? He emerged from paparazzi at Sohail's birthday party. People had grown his mustache for the Battle of is visible, due to which people are guessing that People are crazy about Salman's fitness - one

on December 27th. Salman Khan will be seen big films lined up. Bollywood's "Dabangg" actors, who, even in his late 50s, continues to personality. The actor is soon to enter his 60s, "Bhaijaan still looks 40." Salman Khan is recent look. People are surprised by his look Khan's swag at his brother's birthday: Salman celebrated his 55th birthday on December brother's birthday celebrations? Amidst his for his brother's birthday and was spotted at 59: Salman Khan was spotted at the Mumbai as the video surfaced on social media, fitness and new look. Dressed in black jeans, a Sallu Mian looks very handsome. Did Salman the airport with swag and posed for the were amazed by his handsome personality. He Galwan Valley. But now his clean-shaven look the actor is shooting for Kick 2 as the devil. user wrote, "The devil is back to his base with Kick 2." Another wrote, "Bhaijaan's aura is unmatched. Truly different, just like Salman Khan." Another wrote, "Comeback is always greater than failure. Look at Salman Khan's fitness." Another user wrote in the post, "That man, that myth, that legend - even at the age of 60, he looks like he is 40. Handsomeness, biceps, looks... Megastar Salman Khan is on another level."

"Vanished into thin air," Sandeep Reddy Vanga posted about Dhurandhar, saying, "Any confusion..."

Ever since Dhurandhar was released in theaters, not only fans but also celebrities have been sharing their reviews. Hrithik Roshan had already courted controversy by offering differing opinions about the film, but now has shared his opinion on the film. Dhurandhar, alleging a dispute with responded to Sandeep's post. about film, directed by Aditya Dhar, constantly embroiled in controversy. been banned in Gulf countries, anti- Celebrities are also quick to share including Karan Johar, Hrithik their reviews about Dhurandhar. directed films like Kabir Singh and Dhurandhar after two weeks. He cast of the film. What did Sandeep Sandeep Reddy Vanga has given his long post on his X handle. He concept of the film. The director who doesn't talk much and has a Dhurandhar is absolutely apt, as the powerful pace. The portrayal is very performances, screenplay, and Reddy, who replaced Deepika Ranveer Singh for Dhurandhar. He Singh merged into their characters you, Aditya Dhar, for making

Animal director Sandeep Reddy Vanga Sandeep Reddy Vanga posted about Ranveer's wife Deepika; Aditya Dhurandhar... This year's most talked- is not only garnering praise but also While some are calling the film, which has Pakistan, it is also being lauded. their reviews. Many Bollywood celebrities Roshan, Kangana Ranaut have shared Now Sandeep Reddy Vanga, who Animal, has given his opinion about has also mentioned the director and the Reddy Vanga say about Dhurandhar? - opinion about Dhurandhar by writing a explained why the title matches the wrote, "Dhurandhar is made like a man masculine backbone. The title film moves forward with a powerful and clear, there's no confusion. The music, direction are all top-notch." Sandeep Padukone from the film Spirit, praised wrote, "Akshay Khanna sir and Ranveer as if they vanished into thin air. Thank everyone feel the true weight of untold sacrifices." Seeing Sandeep Reddy Vanga's post, Aditya Dhar thanked him and expressed his admiration for him. Ranveer Singh's wife, Deepika Padukone, was a part of Sandeep's film, but was dropped due to demands for 8-hour shifts and high fees. In a cryptic post, Sandeep had also indirectly accused Deepika of leaking the script.